साप्ताहिक समाचार पत्र

राजस्थान की राजनीति

दौसा से प्रकाशित

राजस्थान की राजनीति
आपकी आवाज़ के साथ

E-mail: tniawaz.news@gmail.com

आपकी आवाज के साथ....

RAJHIN/2012/43137

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, रविवार 01 नवंबर 2026 | वर्ष: 15 | अंक: 16 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: 2.00 रू.

आज का सुविचार है

''अनुशासन की ज़रूरत तब पड़ती है, जब मन भटक रहा हो; यह हमें शांत और केंद्रित रहने में मदद करता है, और सच्ची खुशी की ओर ले जाता है।''

पात्रा बोले, यह सैटेलाइट कभी लॉन्च नहीं होगा

● नई दिल्ली



बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने शनिवार को इंडिया गठबंधन के जन महाभियोग कार्यक्रम पर प्रेस कॉन्फरेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा, बीजेपी ने कोई नया कानून बनाकर यह छूट नहीं दी है।

राहुल गांधी में आगे बढ़ने की ताकत नहीं

बीजेपी ऐसा कोई कानून लेकर नहीं आई, जो पहले से मौजूद न हो। राष्ट्रपति और मुख्य चुनाव आयुक्त को छूट और संरक्षण पहले से ही संविधान में दिया गया है। हालांकि, इसके लिए विशेष प्रक्रिया स्पष्ट रूप से तय नहीं थी। उन्होंने कहा, अगस्त 2023 में तेलंगाना की एक निचली विशेष अदालत ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने तुरंत इस आदेश को रद्द कर दिया और कहा कि यह सही प्रक्रिया नहीं है। अदालत ने आदेश ख़ारिज करने का निर्देश दिया। पात्रा ने कहा, उस समय यह स्पष्ट हो गया था कि राजनीतिक दबाव के चलते कोई भी व्यक्ति कानून की परवाह किए बिना संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के ख़लिाफ़ भी मुकदमा या एफआईआर दर्ज करा सकता है, जबकि संविधान उन्हें संरक्षण देता है। उन्होंने कहा कि राजनीति से प्रेरित गलत एफआईआर को रोकने एक प्रक्रिया लाई गई है। उन्होंने कहा, आप अपनी मॉक संसद आयोजित करते रहिए और रैलियां निकालते रहिए। दुनिया समझ चुकी है कि राहुल गांधी में अब आगे बढ़ने की ताकत नहीं है। यह सैटेलाइट कभी लॉन्च नहीं होगा। उन्हें जिंदगी भर के लिए अपना मॉक पीएम बनाए रखिए। हमें इससे कोई आपत्ति नहीं है।

दिल्ली: जूता फैक्ट्री में लगी भीषण आग, चार की मौत

● नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में शुक्रवार रात एक जूते बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि दो लोग घायल हो गए हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 20 गाड़ियां मौके पर पहुंची आग पर काबू पाया। घायल लोगों को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दो घायल अस्पताल में भर्ती

अधिकारियों के मुताबिक, दमकल विभाग को शुक्रवार रात तकरीबन 9:32 बजे मंगोलपुरी की एक फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल की गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। फैक्ट्री परिसर में छह लोग बेहोशी की हालत में मिले थे। सभी को बाहर निकालकर इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फायर ऑफिसर एडीओ पारस कुमार ने बताया कि यह जूते बनाने की फैक्ट्री है। उन्होंने बताया कि आग पहले बेसमेंट में लगी थी। दमकल कर्मियों ने आग को बेसमेंट तक ही सीमित रखा।

उन्होंने बताया कि फैक्ट्री में धुआं बहुत ज्यादा था, ऐसे में बचाव अभियान के दौरान एक व्यक्ति को तीसरी मंजिल की सीढ़ियों से और पांच अन्य लोगों को चौथी मंजिल से निकाला गया। सभी छह लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। उनमें से 4 को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया गया, जबकि अन्य दो लोगों का इलाज जारी है। फायर ऑफिसर एडीओ पारस कुमार ने बताया कि आग को पूरी तरह काबू में कर लिया गया है। फिलहाल मौके पर कूलिंग प्रक्रिया जारी है। डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। फैक्ट्री मालिक, ठेकेदार और कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि हादसे के वक्त फैक्ट्री में कुल कितने मजदूर मौजूद थे।

केन्द्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी और मुख्यमंत्री भजनलाल ने 'रन फॉर यूनिटी' को दिखाई हरी झंडी, जनसमूह को दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

सरदार पटेल ने दृढ़ संकल्प और दूरदर्शिता से देश को एक सूत्र में पिरोया : भजनलाल शर्मा

युवा सरदार पटेल के जीवन-विचारों को करें आत्मसात : प्रल्हाद जोशी





राजस्थान की राजनीति

जयपुर। केन्द्रीय शिक्षा, खाद्य एवं उपभोक्ता मामलात मंत्री प्रल्हाद जोशी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती पर जयपुर में आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर प्रल्हाद जोशी ने कहा कि आज हम जिस 'एक भारत' को देख रहे हैं, उसके पीछे सरदार पटेल के कुशल नेतृत्व और अथक परिश्रम का ऐतिहासिक योगदान है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरदार पटेल के 'एक भारत' के संकल्प को 'श्रेष्ठ भारत' के रूप में साकार करने का कार्य किया जा रहा है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने 500 से अधिक रियासतों को एकजुट कर अखंड भारत का निर्माण किया। वहीं, राजस्थान के निर्माण में भी उनके योगदान को हमेशा याद किया जाना चाहिए। उन्होंने ही 30 मार्च, 1949 को वृहद राजस्थान को साकार किया था। सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए गुजरात के केवड़िया में विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' स्थापित की गई है, जो राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण और एकता के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से प्रतिमा का अवलोकन करने और सरदार पटेल के जीवन एवं विचारों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।



हमारी भाषाएं-परम्पराएं अलग, राष्ट्रीय पहचान एक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपने दृढ़ संकल्प, अदम्य इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता से देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया था। हमारी भाषाएं-परम्पराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारी राष्ट्रीय पहचान एक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि सरदार पटेल के सपनों का सशक्त भारत युवाओं के सहयोग से बन सकता है। इसलिए देश के युवाओं को माय भारत जैसे मंचों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण से जोड़ा जा रहा है। स्टार्टअप इंडिया और मुद्रा योजना ने युवाओं को नौकरी खोजने वाले से नौकरी देने वाला बनाया है। वहीं, खेलो इंडिया और फिट इंडिया मूवमेंट के जरिए गांव-ढाणी की प्रतिभाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तिरंगा लहरा रही हैं।



युवाओं के भविष्य को सुदृढ़ कर रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर नौजवान को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी भर्तियां, आधुनिक खेल सुविधा और कौशल विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध करवा रही है। युवा नीति, नई रोजगार नीति, राज्य कौशल नीति के जरिए भविष्य को सुदृढ़ करने का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 410 परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न करवाकर 1 लाख 93 हजार युवाओं को सरकारी नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। इसके अलावा 1 लाख 18 हजार भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं और 70 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। साथ ही, 5 लाख युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध करवाया गया है।

अनुशासन, सेवा एवं राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ करें कार्य

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 3 लाख 70 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है। 4 लाख लाभार्थियों को 1 हजार 643 करोड़ की राशि युवा संबल योजना के तहत वितरित की गई है। एक जिला-एक खेल योजना और खेल जीवन बीमा योजना लॉन्च की गई हैं।

2028 ओलम्पिक के लिए विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु 'मिशन ओलम्पिक-2028' शुरू किया है। इसके लिए 20 करोड़ की लागत से सेंटर फॉर एक्सीलेंस स्थापित किया जा रहा है। वहीं, 50 खेलो इंडिया केन्द्रों की स्थापना की गई है। उन्होंने आह्वान किया कि सरदार पटेल के विचारों को अपनाकर अनुशासन, सेवा एवं राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करें।

रन फॉर यूनिटी में कई पदक विजेता खिलाड़ियों सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं, मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई।

इस अवसर पर युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, महापौर सुनील कोठारी, उप महापौर सरोज कंवर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

► प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

पीएम मोदी बोले- पटेल के बिना आज के भारत की कल्पना करना मुश्किल

एकता दिवस परेड में 5,000 कलाकारों ने दी प्रस्तुति, विपक्ष को बताया अवरोध पक्ष

● एकता नगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर गुजरात के एकता नगर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई और सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। संबोधन में उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के बिना आज के भारत की कल्पना करना मुश्किल है। उन्होंने आजादी के बाद 550 से अधिक रियासतों को एकजुट कर देश को एकता के सूत्र में बांधा।

एकता दिवस के अवसर पर आयोजित परेड में 15 झांकियां शामिल हुईं। करीब 5,000 कलाकारों ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष की परेड पुलिस और सुरक्षा बलों के शौर्य एवं साहस को समर्पित रही। इसके माध्यम से देश की विरासत और आकांक्षाओं को भी प्रदर्शित किया गया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन जनभागीदारी के कारण जनगौरव का उत्सव बन गया है। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वह विरोध पक्ष की बजाय अवरोध पक्ष बन गया है। उनके अनुसार, विपक्षी दल अपनी हताशा और निराशा में देश के विकास कार्यों में बाधाएं पैदा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ ताकतें देश में विभाजन और अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। मोदी ने सोशल मीडिया का इस्तेमाल देश के खिलाफ किए जाने की साजिशों को लेकर भी चिंता जताई।



गरीबी और सामाजिक सुरक्षा पर सरकार की उपलब्धियां गिनाई

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले 25 करोड़ से भी कम लोगों के पास सामाजिक सुरक्षा का कवच था, जबकि अब 100 करोड़ लोगों को इससे जोड़ा जा चुका है। उन्होंने विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि पिछले वर्षों में 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए हैं। उनके अनुसार, पहले जहां 100 में से 27 लोग भीषण गरीबी से प्रभावित थे, वहीं अब यह संख्या तीन से कम रह गई है। मोदी ने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), मुफ्त राशन और बीमा योजनाओं के माध्यम से गरीबों को राहत मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले गरीबी हटाने के नाम पर केवल नारे लगाए गए, जबकि वर्तमान में गरीब कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है।

2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य...

मोदी ने कहा कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर 2047 तक भारत को सशक्त, समर्थ और विकसित राष्ट्र बनाना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता किसी देश को अपने भविष्य के फैसले लेने का अधिकार देती है, जबकि गणतंत्र उसे संविधान की मर्यादा में आगे बढ़ने की दिशा देता है। संविधान जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करता है और एकता राष्ट्र को आगे बढ़ने की शक्ति देती है। इसी कारण स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और एकता दिवस तीनों महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल भारत के वर्तमान स्वरूप के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महान व्यक्तित्व थे। विभाजन के बाद भी उन्होंने देश की एकता बनाए रखने में अहम योगदान दिया। पटेल समझते थे कि भारत की विविधता उसकी एकता का आधार है। उन्होंने भौगोलिक एकीकरण के साथ देश की भावनात्मक एकता को भी मजबूत किया। उन्होंने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे सांस्कृतिक एकता को मजबूती मिली। काशी विश्वनाथ और राम मंदिर के पुनरुद्धार सहित देश की प्रगति की दिशा को भी उन्होंने सरदार पटेल की दिखाई राह से जोड़ा।

फिल्ममेकर संजय गुप्ता की घर में गिरने से मौत

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुआ हादसा

● मुंबई / आरएनएन



फिल्ममेकर संजय गुप्ता का 57 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। 30 अक्टूबर की देर रात मुंबई स्थित उनके घर में गिरने से सिर पर गंभीर चोट लग गई, जिससे उनकी मौत हो गई। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के अनुसार, वह रात करीब 2 बजे ड्राइंग रूम से किचन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ा और वह दीवार के कोने से टकराकर गिर पड़े। सिर में गंभीर चोट लगने से काफी खून बह गया।

57 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

एनकाउंटर में 50 हजार का इनामी बदमाश ढेर

● नोएडा / आरएनएन

नोएडा में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी अमन उर्फ माया त्यागी मारा गया। मुठभेड़ थाना सेक्टर-126 क्षेत्र में हुई। पुलिस के अनुसार, गोली लगने से घायल बदमाश को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

नोएडा पुलिस और जिले की सीआरटी ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। अमन उर्फ माया त्यागी ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र से वांछित था। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के मुताबिक, बदमाश का संबंध रणदीप भाटी और अनिल दुजाना गैंग से था।

अमन उर्फ माया त्यागी का रणदीप भाटी और अनिल दुजाना गैंग से था संबंध

खतरे में उमर अब्दुल्ला की कुर्सी

24 विधायकों ने कर दी बगावत, गुप्त बैठक कर प्लान तैयार

● श्रीनगर / आरएनएन



जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया था। इसके बाद से वे लगातार अपनी पार्टी के भीतर बगावत का सामना कर रहे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नाराज विधायकों के गुट ने शुक्रवार को एक बड़ी बैठक की जो कि काफी देर तक चली। उन्होंने अपनी मांगों की एक लिस्ट तैयार की है। इन विधायकों की बैठक ने उमर अब्दुल्ला की सरकार की चिंता बढ़ा दी है। सूत्रों का कहना है कि बागी विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार और कुछ मंत्रियों को हटाने की मांग कर दी है। आपको बता दें कि शुक्रवार की शाम श्रीनगर में एनसी के 18 विधायकों ने बैठक की।

इस बैठक में छह विधायक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। इन्होंने भी नाराज गुट को अपना समर्थन दिया। बागी गुट में कश्मीर घाटी और जम्मू दोनों ही जगहों के विधायक शामिल हैं। कुल मिलाकर बागी खेमे में 24 विधायक हो गए हैं।

विधायक कैसर जमशेद लोन के आवास पर हुई बैठक

आपको बता दें कि बागी गुट की यह बैठक विधायक कैसर जमशेद लोन के आवास पर हुई। इस बैठक में विधायकों ने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। इन्होंने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी को हटाने और उप मुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी सहित कुछ मंत्रियों को बर्खास्त करने की मांग की है। बैठक के दौरान कुछ वरिष्ठ विधायक भावुक हो गए और उन्होंने बताया कि पार्टी नेतृत्व और मुख्यमंत्री के सलाहकार ने उनके साथ कैसा बर्ताव किया था।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जिला कलक्टर ने दिलाई शपथ

सरदार वल्लभभाई का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत- जिला कलक्टर



राजस्थान की राजनीति

जयपुर। भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयन्ती(राष्ट्रीय एकता दिवस) के उपलक्ष्य में शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा के समक्ष जिला कलक्टर संदेश नायक ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के कार्मिको सहित अन्य गणमान्य नागरिको को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। जिला कलक्टर ने बताया की 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में जन्मे वल्लभभाई पटेल का जीवन जीवटता, बुद्धिमता, कठोर अनुशासन एवं व्यवहारिक कुशलता से परिपूर्ण था। उन्होने भारत की आजादी के आंदोलन में न सिर्फ देश को आजाद कराने में अग्रणी भूमिका निभाई बल्कि आजादी के उपरान्त करीब 562 रियासतों में बंटे भारत के भूभाग को एकता के सूत्र में पिरोने का अभूतपूर्व कार्य किया। उनका जीवन भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

इस दौरान जिला कलक्टर सहित सीईओ जिला परिषद् शुभम भैंसारे, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम राजीव द्विवेदी, अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय मेघराज सिंह मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय देवयानी, अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर शहर उत्तर राजेन्द्र सिंह, सहायक कलक्टर जयपुर प्रथम निधि मीणा, तहसीलदार सुभाषचन्द्र स्वामी, तहसीलदार निर्वाचन कुलदीप, तहसीलदार प्रदीप सिंह राठौड़ सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिको ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की।

गहलोत बोले-एसीबी में एक महिला अफसर सुपर डीजी

उसे इसलिए लगाया कि इशारा मिलते ही रगड़ाई करो; शिखर अग्रवाल केस की निष्पक्ष जांच नहीं होगी



राजस्थान की राजनीति

जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने आईएएस शिखर अग्रवाल के एक ही कंपनी से 40 विला-कॉटेज खरीदने के मामले में सरकार पर सवाल उठाते हुए सीएम पर तंज कसा है। गहलोत ने शिखर अग्रवाल केस की एसीबी से निष्पक्ष जांच होने पर संदेह जताया है।

उन्होंने कहा- एसीबी डीजी दबाव में हैं। एसीबी में एडीजी स्तर की एक महिला अधिकारी हैं। सुपर डीजी वही हैं। गहलोत शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा

शिखर अग्रवाल को आपने खाली एपीओ कर दिया, आपने केस एसीबी में दर्ज कर लिया। अब अगर एसीबी तक केस रहेगा, निष्पक्ष जांच तक नहीं जाएगा। एफआईआर दर्ज नहीं होगी। अभी तो खाली पीई दर्ज हुई है, कुछ नहीं हुआ है। अब वो जांच करेंगे केस बनता या नहीं बनता।

पूरे देशभर का मीडिया चिल्ला रहा है, ये अभी तक पीई में लगे हुए हैं। कब तो पीई से स्नढ्ढक्र में कन्वर्ट होगी। एफआईआर के बाद में किस प्रकार से आप बिहेव करोगे। डीजी के ऊपर कितना दबाव आएगा। डीजी तो दबावों में दबे हुए हैं।

एसीबी में महिला अफसर डीजी से भी ऊपर

गहलोत ने कहा- एसीबी डीजी बहुत भले आदमी हैं। महेश जोशी के केस में वो ऊपर के दबाव से इतने दब गए। कहा गया कि केस नहीं बनता है, अरेस्ट नहीं कर सकते तो उन्होंने कहा कि मैं कुछ नहीं जानता, ऊपर से दबाव है। अशोक गहलोत ने कहा- वो हुक्म चलाती हैं, अधिकारियों को डांटती हैं, फटकारती हैं। केस बन जाते हैं। जिसको टारगेट करना होता है, टारगेट करने के लिए ही मैं समझता हूं महिला एडीजी को लगाया है।

'तुम वहां बैठो और रगड़ाई करो'

गहलोत ने कहा- महिला एडीजी को लगाया ही इसलिए कि जिनको इशारा करें, तुम वहां बैठो और रगड़ाई करो। डीजी साहब तो भले आदमी हैं, ये ज्यादा कह नहीं पाएंगे। इनका नेचर बोलने का नहीं, ज्यादा डांटने का नेचर नहीं है। आप सोच सकते हो, लोगों और बेचारों की रगड़ाई हो रही है। निर्दोष लोग फंस रहे हैं। हम चाहते हैं दोषी को आप भले ही कितनी बड़ी सजा दो, हम गर्व महसूस करेंगे। दुर्भाग्य से ये डीजी साहब और वो डीजी साहब, दोनों एक ही मायने के हैं। दोनों भले हैं। मेरे तो अच्छे संपर्क हैं, वो अलग बात है। डीजी साहब को दबाव में काम करने से मुक्त होना चाहिए।

थप्पड़बाजी की घटना हुई यह साबित हो गया, शिखर भी वहां थे

पूर्व सीएम ने कहा- एसीबी भी इनकी है, मुख्यमंत्री के अधीन है। मुख्यमंत्री के ऊपर जो आरोप लगा है, उनकी अध्यक्षता में मीटिंग होकर फैसला हुआ है। उसमें मुख्यमंत्री के सबसे नजदीकी अफसर शिखर अग्रवाल ही रहे थे। जो किस्सा मैं सुना रहा हूं बार-बार कि झगड़ा हुआ, थप्पड़बाजी हुई या क्या हुआ? वो या तो मुख्यमंत्री खुद बताएं या उस वक्त जो शामिल थे। उसमें वहां पर ये अधिकारी (शिखर अग्रवाल) भी साथ खड़े थे। उस वक्त के आईजी श्रीवास्तव वो थे या और कोई इनके परिवार के लोग थे, वो बता सकता है। मैं कैसे बता सकता हूं? घटना हुई है। ये तो सिद्ध हो गया है, इनके खुद के लोग कहने लग गए हैं।

पत्रकारों के लिए फ्लैट 75 लाख, शिखर के लिए विला 15 लाख का

गहलोत ने कहा- आप 6 करोड़ में 40 विला की संपत्ति खरीद लो। कल मैंने सुना उनके परिवार में (विक्रेता के) किसी ने कहा है कि 15 लाख में ही देते हैं। मैंने कहा हमारे कुछ लोग जाकर मांगे 15 लाख में एक करोड़ के विला।

हमारे मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को कहा है कि आप 75 लाख दीजिए और आपको फ्लैट देंगे। पत्रकारों के लिए तो 75 लाख और शिखर अग्रवाल के लिए 15 लाख है। वहीं, वापस लीज पर देकर वापस पैसा वसूल कर लो। 15 लाख के विला वाली स्कीम क्या शिखर अग्रवाल के लिए बनाई?

गहलोत ने कहा- ऐसा सौदा तो हम सबको पसंद आएगा। अगर हम सबको आजादी मिले, पत्रकारों, आम जनता तो कितने लोगों का भला होगा? ये स्कीम खाली क्या शिखर अग्रवाल के लिए बनाई गई है? मुख्यमंत्री जवाब दे इसका।

राजीविका दिवाली मेले में उमड़ा विजिटर्स का हुजूम, राजस्थानी व्यंजनों ने मेले की रौनक में लगाए चार चांद

दिवाली की सजावटी सामग्री से लेकर हस्तनिर्मित जूतियों तक की खरीदारी में दिखी विशेष रुचि

आकर्षक नाइट लाइटिंग, पारंपरिक वेशभूषा में सजे बहरूपियों और राजस्थानी व्यंजनों ने बढ़ाई मेले की रौनक

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) की ओर से जयपुर स्थित इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान परिसर में आयोजित राजीविका दिवाली मेला-2026 का उत्साह लगातार परवान चढ़ रहा है। आठ दिवसीय मेले के चौथे दिन बड़ी संख्या में आगंतुकों का हुजूम उमड़ा। 100 से अधिक स्टॉल्स पर ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों एवं महिला उद्यमियों द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प, हैंडलूम, सजावटी सामग्री और पारंपरिक खाद्य उत्पादों को देखने एवं खरीदने के लिए विजिटर्स में खासा उत्साह देखने को मिला। दिवाली नजदीक आने के साथ ही घरों की सजावट से जुड़ी वस्तुओं की खरीदारी में भी तेजी आई है। पारंपरिक राजस्थानी जायकों, आकर्षक रोशनी और राजस्थानी म्यूजिक से मेले को एक खास उत्सवी माहौल मिल रहा है।

राजीविका दिवाली मेला-2026 का आयोजन 28 अक्टूबर से 4 नवंबर तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से रात्रि 9 बजे तक किया जा रहा है। मेले में आमजन के लिए प्रवेश निःशुल्क है। 100 से अधिक स्टॉल्स के माध्यम से ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों एवं महिला उद्यमियों के उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की जा रही है।



दिवाली की सजावट और हस्तनिर्मित पर्स-जूतियों की बढ़ी मांग

मेले में दिवाली के अवसर पर घरों को सजाने के लिए रंग-बिरंगे दीये, कैंडल, रंगोली, तोरण, आकर्षक लाइटिंग और अन्य सजावटी एवं गृह सज्जा उत्पाद आगंतुकों की पहली पसंद बने हुए हैं। पारंपरिक हस्तशिल्प, हैंडलूम, कारपेट, कपड़े के खिलौने, हैंडमेड पाउच व पर्स, हर्बल प्रोडक्ट के साथ सजावटी एवं घरेलू उत्पादों की भी अच्छी मांग देखने को मिल रही है। ग्रामीण महिला उद्यमियों द्वारा तैयार की गई हस्तनिर्मित जूतियां भी विजिटर्स को खूब पसंद आ रही हैं। कोटा डोरिया की साड़ियां, जयपुर की प्रसिद्ध ब्लू पॉटरी, पारंपरिक कशीदाकारी, डोरमैट, कारपेट और अन्य स्थानीय उत्पाद भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

रंग-बिरंगी रोशनी और बहरूपियों ने बांधा समां

मेले में दिन के साथ-साथ शाम और रात का नजारा भी विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। परिसर में की गई आकर्षक लाइटिंग और रंग-बिरंगी रोशनी से सजा मेला स्थल आगंतुकों को उत्सवी माहौल का अनुभव करा रहा है। वहीं, पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में सजे बहरूपिये अपनी अनूठी प्रस्तुतियों और अंदाज से लोगों का मन मोह रहे हैं। विजिटर्स खरीदारी के साथ सेल्फी पॉइंट और प्रोडक्ट लाइव मेकिंग में हिस्सा लेकर मेले में यादगार पल बिता रहे हैं। मेले में विदेशी पर्यटकों की मौजूदगी से भी आयोजन का आकर्षण बढ़ा है।

राजस्थानी जायकों से महक रहा मेला परिसर

मेले में खरीदारी के साथ खानपान का भी विशेष आकर्षण देखने को मिल रहा है। विभिन्न फूड स्टॉल्स पर दाल-बाटी-चूरमा सहित पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों और स्थानीय पकवानों का स्वाद लेने के लिए आगंतुक उत्साहपूर्वक पहुंच रहे हैं। ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए गए अचार, पापड़, मसाले एवं अन्य पारंपरिक खाद्य उत्पाद भी लोगों को खूब आकर्षित कर रहे हैं। इस तरह मेला पारंपरिक स्वाद, स्थानीय उत्पादों और राजस्थानी संस्कृति का खूबसूरत संगम बन रहा है।

मुख्य सचिव ने दिये आंगनबाड़ी केंद्रों को प्ले स्कूल के रूप में विकसित करने के दिए निर्देश

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को जयपुर के गांधीनगर स्थित समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) निदेशालय में पोषण 2.0 तथा आँगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों की मुख्य गतिविधियों तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ की कार्यप्रणाली की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभाग की ओर से सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग एवं निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियों के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया गया।

मुख्य सचिव ने ली आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन की जानकारी एवं अधिकारियों को दिए नियमित भ्रमण के निर्देश

मुख्य सचिव ने आंगनबाड़ी पर शाला पूर्व शिक्षा की दैनिक समय सारणी पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य सचिव द्वारा उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन संबंधी जानकारी प्राप्त की तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्यों की सराहना की। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा केंद्र पर प्रतिदिन बच्चों की शाला पूर्व शिक्षा एवं देखभाल गतिविधियो का संचालन, अल्पाहार एवं गर्म पका हुआ भोजन, पोषण ट्रैकर पर गतिविधियों को अपडेट करने इत्यादि कार्यो के साथ साथ प्रधानमंत्री मातृत्व वन्दना योजना एवं मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना के अंतर्गत लाभार्थियों का पंजीकरण, बच्चों के विकास की निगरानी, परिवार सर्वेक्षण कार्य तथा प्रतिदिन लक्षित गृह भ्रमण के बारे में अवगत कराया गया । बैठक में बताया गया कि मासिक गतिविधियों के अंतर्गत महीने में 2 बार समुदाय आधारित कार्यक्रम, महीने में एक बार MCHN दिवस, आंगनबाड़ी प्रबंधन समिति (AMC) एवं कार्यकर्ता-अभिभावक बैठक का आयोजन किया जाता हैं।

उल्लेखनीय है कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रतिदिन संचालन समय मे 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए सत्रवार शाला पूर्व शिक्षा की विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती है। मुख्य सचिव ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को प्ले स्कूल के रूप में विकसित किये जाने हेतु दिशा निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आईसीडीएस के आंगनबाड़ी केंद्रों के दैनिक संचालन का का समय समय पर निरीक्षण करें। औचक निरीक्षण



के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा निर्धारित कलेंडर की अनुपालना सुनिश्चित करें ताकि लाभार्थियों को कल्याणकारी योजनाओं का उचित लाभ प्राप्त हो सके।

100 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के कार्यो का होगा संकलन

मुख्य सचिव ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाली 100 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को चिन्हित कर उनके कार्यो का संकलन कर प्रकाशन किया जाए ताकि अन्य कार्यकर्ता भी प्रेरित हो सके।

विभाग द्वारा किये गए नवाचारों की सराहना

मुख्य सचिव ने विभाग द्वारा शाला पूर्व गतिविधियों तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न नवाचारों की भी सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से प्रदेश में संचालित 'कैश प्लस मॉडल' की प्रशंसा की जिसके अंतर्गत प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) एवं मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना (MMMPY) के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) के साथ-साथ व्यवहार परिवर्तन संचार (SBCC) गतिविधियों से जोड़ा गया है।

बच्चों के विकासात्मक विलंब की पहचान एवं प्रबंधन

मुख्य सचिव ने बच्चों में विकासात्मक विलंब (developmental delay) के लक्षणों की शीघ्र पहचान करने के लिए फील्ड कार्यकर्ता के क्षमता वर्धन के संबंध में निर्देश प्रदान किये। उन्होंने सभी संबंधित विभागों में समन्वय पर जोर दिया ताकि बच्चों में विकासात्मक विलंब (developmental delay) के लक्षणों की शीघ्र पहचान कर प्रबंधन किया जा सके। मुख्य सचिव ने इसके लिए यूनिसेफ तथा विभाग को डिजिटल प्रबंधन पर कार्य करने के भी दिशा निर्देश दिये।

कन्वर्जेंस को बेहतर करने के दिये निर्देश

मुख्य सचिव ने ए.एन.एम आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा सहयोगिनी ८) के मध्य कन्वर्जेंस को और बेहतर करने के लिए निर्देश प्रदान किये ताकि महिला एवं बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के स्तर में अपेक्षित सुधार लाया जा सके।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को अर्पित की पुष्पांजलि एवं निदेशालय में किया पौधरोपण

मुख्य सचिव ने 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जन्म तिथि के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने निदेशालय का निरीक्षण भी किया तथा परिसर में पौधरोपण भी किया।मुख्य सचिव द्वारा विभाग के विभिन्न कार्मिको के साथ भी वार्ता की गई तथा उनके साथ समूह फ़ोटो भी लिया गया।

बैठक में शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास पूनम, निदेशक आईसीडीएस वासुदेव मालावत, वित्तीय सलाहकार मनोज शांडिल्य, अतिरिक्त निदेशक पोषाहार दीनानाथ बब्बल, अतिरिक्त निदेशक श्रीमती अलका विश्नोई, अतिरिक्त निदेशक महिला अधिकारिता श्रीमती नीतू राजेश्वर, उपनिदेशक विखाका श्रीमती सरोज ढाका सहित विभाग के समस्त अधिकारियो के साथ यूनिसेफ तथा ढ्ढक्ष्र ग्लोबल के विभिन्न प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

पंचायत चुनावः राज्य निर्वाचन आयुक्त ने ब्यावर में मतदान केंद्रों का लिया जायजा

निष्पक्षता से कराएं चुनाव, दिव्यांगों और बुजुर्गों को मतदान में नहीं हो परेशानी

कलेक्ट्रेट में मीडिया से रूबरू होकर दी चुनाव तैयारियों की जानकारी



राजस्थान की राजनीति

जयपुर। पंचायत आम चुनाव के तीसरे चरण के मतदान की तैयारियों के संबंध में शनिवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजेश्वर सिंह ने ब्यावर जिले के निमाज ओर विराटिया खुर्द के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं एवं निर्वाचन व्यवस्थाओं का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद जिला कलेक्ट्रेट में मीडिया से रूबरू होकर उन्होंने चुनाव तैयारियों की जानकारी साझा की।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी पूरी गंभीरता एवं निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। चुनाव शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करते हुए मतदान की सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं।

मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें

आयुक्त ने मतगणना केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पर्याप्त पुलिस जाब्ता तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने ईवीएम की सुरक्षा के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल की पालना सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा एवं सुरक्षित रखरखाव के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने को कहा। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए।

दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं को मिले सुगम सुविधाएं

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि मतदान केंद्रों पर दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के लिए सुगम आवागमन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें, ताकि उन्हें मतदान करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। उन्होंने मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मतदाताओं की सुविधा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

मीडिया से रूबरू होकर दी चुनाव तैयारियों की जानकारी

जिला कलेक्ट्रेट में मीडिया से बातचीत के दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त ने पंचायत आम चुनाव के तीसरे चरण के मतदान को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए की गई व्यवस्थाओं तथा अधिकारियों को दिए गए निर्देशों के संबंध में भी अवगत कराया।

स्वीप गतिविधियों एवं नवाचारों की सराहना

आयुक्त ने मतदाता जागरूकता के लिए संचालित स्वीप गतिविधियों एवं नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

निरीक्षण के दौरान चुनाव पर्यवेक्षक भगीरथ विश्नोई, जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मीना, जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह, उपखंड अधिकारी मनोज मीना, उपखंड अधिकारी जयपाल सिंह राठौड़ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई

शपथ में देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के संकल्प को दोहराया गया

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के साथ ही इसे अक्षुण्ण रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लिया। साथ ही, देशवासियों के बीच राष्ट्रीय एकता, आपसी सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करने तथा सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों एवं राष्ट्र की एकता के प्रति उनके योगदान से प्रेरणा लेने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं रजिस्ट्रार मुकेश सिंघल, राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के अध्यक्ष अभिमन्यु शर्मा, राजस्थान सचिवालय सेवा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष विवेक चौधरी, राजस्थान सचिवालय सेवा कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष कपिल देव सहित शासन सचिवालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। देश की स्वतंत्रता के बाद विभिन्न रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण कर उन्होंने राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी।

फाइव स्टार होटल के स्विमिंग पूल में करंट से दो विदेशी नागरिकों की मौत

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के हलसूरु स्थित प्रतिष्ठित पांच सितारा कॉनराड होटल में शुक्रवार की शाम बड़ा हादसा हो गया। होटल की तीसरी मंजिल पर बने स्विमिंग पूल में करंट लगने की आशंका के बीच दो विदेशी नागरिकों की मौत हो गई। उन्हें बचाने की कोशिश में एक अमेरिकी पर्यटक और होटल का लाइफगार्ड भी घायल हो गए। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, हादसे के समय स्विमिंग पूल में मौजूद जर्मनी और स्लोवाकिया के दो नागरिक संदिग्ध परिस्थितियों में करंट की चपेट में आ गए। शुरुआती जांच में बिजली का करंट लगना मौत की संभावित वजह माना जा रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के बाद ही हो सकेगी। हादसे के दौरान दोनों विदेशी नागरिकों को बचाने की कोशिश में 41 वर्षीय अमेरिकी नागरिक मैथ्यू डेसेंटिस और 28 वर्षीय राहुल तिवारी भी घायल हो गए। मैथ्यू होटल में ठहरे हुए अमेरिकी पर्यटक हैं, जबकि राहुल तिवारी कॉनराड होटल में पूल अटेंडेंट और लाइफगार्ड के रूप में काम करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने फॉर्म-7 की जांच के दिए आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अदालत ने मामले की जांच के आदेश देने के साथ ही शिकायतों की पड़ताल और व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए हैं। दरअसल, निर्वाचन आयोग के समक्ष मतदाताओं के नाम कटवाने के लिए फॉर्म-7 जमा किए जाने को लेकर शिकायतें सामने आई थीं। आरोप है कि कुछ मामलों में बड़ी संख्या में फॉर्म जमा किए गए, लेकिन संबंधित मतदाताओं के नाम नहीं हटाए गए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष इस मामले से जुड़ी याचिकाएं रखी गईं। इनमें एक विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के लिए 32 फॉर्म-7 जमा किए जाने का आरोप भी शामिल है। अदालत ने निर्वाचन आयोग से शिकायतों की जांच कर आवश्यक सुधार करने और रिपोर्ट देने को कहा है।

महाराष्ट्र में दो बार कांपी धरती, चार पड़ोसी देशों में भी लगे झटके

- सभी जगहों पर भूकंप की तीव्रता अलग-अलग रही, जानमाल के नुकसान की खबर नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में शनिवार को भूकंप के झटके लगे। महाराष्ट्र के पालघर जिले में शनिवार की आधी रात को धरती दो बार कांपी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक पहला भूकंप रात 12 बजकर 54 मिनट पर आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.2 मापी गई। इसके बाद रात 1 बजकर 30 मिनट पर एक बार फिर झटके लगे और इस दूसरे भूकंप की तीव्रता 2.1 मापी गई। दोनों भूकंप का केंद्र महाराष्ट्र के पालघर में ही था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में आए इन दो भूकंपों के अलावा अफगानिस्तान, चीन के तिब्बत क्षेत्र, म्यांमार और बांग्लादेश में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए यानी कुछ ही घंटों में एशिया के अलग-अलग हिस्सों में धरती कांपी। हालांकि इन सभी जगहों पर दर्ज भूकंप की तीव्रता अलग-अलग रही। राहत की बात यह है कि महाराष्ट्र समेत अन्य देशों में आए भूकंप में अभी तक जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भारत के अलावा अफगानिस्तान और चीन के तिब्बत क्षेत्र में भी भूकंप दर्ज किए गए। अफगानिस्तान में शनिवार सुबह 3 बजकर 48 मिनट 15 सेकंड पर भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 4.0 मापी गई।

विकसित भारत की कल्पना का रास्ता नशामुक्त भारत निर्माण से होकर गुजरता है

-अमित शाह ने सरदार पटेल की जयंती पर दोहराया नशामुक्त भारत का लक्ष्य

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर देश को 31 दिसंबर 2029 तक पूरी तरह नशामुक्त बनाने का लक्ष्य फिर दोहराया। उन्होंने देशवासियों से इस अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की और कहा कि पीएम मोदी की विकसित भारत की कल्पना का रास्ता नशामुक्त भारत के निर्माण से होकर गुजरता है। शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि देश को नशे से पूरी तरह मुक्त करना युवाओं के भविष्य और राष्ट्र के विकास के लिए बेहद जरूरी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शाह ने दावा किया कि इस साल 31 मार्च तक देश नक्सलवाद के साये से पूरी तरह बाहर निकल चुका है और अब नशामुक्त राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने पीएम मोदी के कार्यकाल में लिए गए कई बड़े फैसलों और हासिल की गई उपलब्धियों का भी जिक्र किया। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि जब भारत आजाद हुआ था, तब दुनिया के कई राजनीतिक विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की थी कि देश बिखर जाएगा, लेकिन आजादी के बाद के मात्र 1,218 दिनों में सरदार पटेल ने वह काम कर दिखाया, जिसे दुनिया असंभव मान रही थी।

शाह ने कहा कि जिस काम को नेताओं का एक समूह मिलकर भी शायद पूरी जिंदगी में नहीं कर पाता, उसे सरदार पटेल ने पूरा कर दिखाया। उन्होंने भारत को एकजुट करने का ऐतिहासिक काम किया और रियासतों का विलय कर एक सशक्त राष्ट्र की नींव रखी। सरदार पटेल ने जिस भारत की कल्पना की थी और जिसे एकजुट किया, वही देश आज पूरी दुनिया के सामने गर्व के साथ खड़ा है। गृह मंत्री ने देश के युवाओं को नशे से बचाकर उनके बेहतर भविष्य के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई।

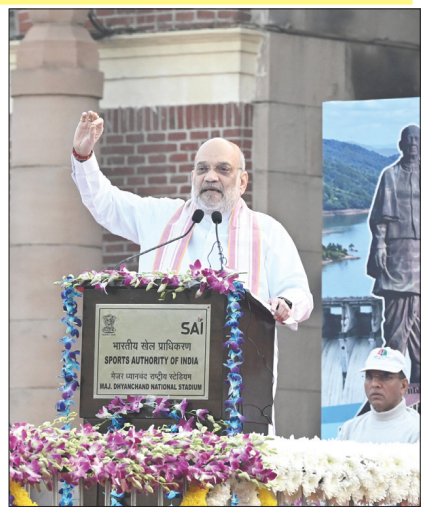

कांग्रेस की रैली का विरोध कर रहे व्यापारियों ने की राहुल से अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली के ठीक पहले दिल्ली के व्यापारियों का गुस्सा उस समय फूट पड़ा जब आगामी 1 नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस की एक बड़ी रैली का ऐलान हुआ। व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने राहुल गांधी से इस रैली को स्थगित करने की पुरजोर अपील की है। सीटीआई ने अपने संदेश में कहा कि राहुल गांधी अक्सर नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान चलाने की बात करते हैं, लेकिन व्यापारियों की अपनी दुकानें भी ग्राहकों के साथ आपसी विश्वास और प्यार के आधार पर ही चलती हैं। इसलिए त्योहारों के इस पीक सीजन में व्यापारियों की रोजी-रोटी और व्यापार इस रैली की भेंट नहीं चढ़ना चाहिए। संगठन के चेयरमैन ने कहा कि चांदनी चौक की परांठे वाली दुकान, खारी बावली के मसाले, सदर बाजार की चूड़ी-बिंदी, चांदनी चौक का लहंगा, दरियागंज का एसी, चावड़ी बाजार की सामग्री और करोल बाग की मशहूर कुल्फी जैसी सैकड़ों पुरानी और प्रसिद्ध दुकानें असल में जनता के लिए मोहब्बत की ही दुकानें हैं, जिन पर हर दुकान के माध्यम से दर्जनों परिवारों का गुजारा होता है। व्यापारी संगठनों ने रामलीला मैदान के पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले लगभग 20 बड़े थोक बाजारों में विरोध स्वरूप पोस्टर लगाने का ऐलान किया है। संगठन का तर्क है कि धनतेरस से ठीक चार दिन पहले होने वाली इस रैली में भारी भीड़ और हजारों गाड़ियों के आने से पूरी दिल्ली में भयंकर जाम की स्थिति पैदा हो जाएगी। इससे रामलीला मैदान के आसपास के इन प्रमुख बाजारों में ताले लटकने की नौबत आ जाएगी। व्यापारियों ने चिंता जताई है कि यदि इस व्यस्त त्योहारी सीजन में ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई और बाजार बंद हुए, तो इससे लगभग 20 लाख व्यापारियों का हजारों करोड़ रुपये का दिवाली व्यापार पूरी तरह ठप हो जाएगा और लाखों लोगों की रोजी-रोटी पर सीधा संकट खड़ा हो जाएगा।

रामलीला मैदान में होने वाली रैली से पहले रिजिजू ने पूछे कांग्रेस से सवाल

- सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर केंद्रीय मंत्री का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया गठबंधन की ओर से 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उससे सवाल पूछे हैं। उन्होंने कांग्रेस को इन सवालों का जवाब देने की चुनौती भी दी है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कांग्रेस को बुनियादी सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने पूछा कि 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को महज 44 सीटें कैसे मिलीं, जबकि उस समय चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति उसकी ही सरकार ने की थी?



उनका दूसरा सवाल था कि 2024 में जब ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त नहीं थे, तब कांग्रेस को लगातार तीसरी बार चुनाव में हार का सामना कैसे करना पड़ा? उन्होंने सवाल किया, क्या कांग्रेस के मौजूदा मुख्यमंत्री इस्तीफा देंगे और 2014 से 2026 के बीच सरकारें बनाने के लिए माफी मांगेंगे?

रिजिजू ने अगले सवाल में मतदाता सूची से अवैध प्रवासियों, मृत व्यक्तियों, दूसरी जगह चले गए लोगों और दोहरे नामों को हटाने के मुद्दे पर कांग्रेस का रुख पूछा। अंत में रिजिजू का सवाल था, क्या 1952-56, 1958-61, 1965-66, 1983-84, 1987-88, 1993, 1995 और 2002-2004 के दौरान किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भी अवैध थे? इसी के साथ ही रिजिजू ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, एक परिवार की पार्टी बाहरी ताकतों के साथ मिलकर संविधान और भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है।

1 नवंबर की दिल्ली रैली में शामिल नहीं होगी आम आदमी पार्टी

-सांसद संजय सिंह ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की अपनी मांग दोहराई

नई दिल्ली, एजेंसी । आम आदमी पार्टी ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने घोषणा की है कि पार्टी इस रैली में शामिल नहीं होगी, क्योंकि वह पहले ही साफ कर चुकी है कि वह इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है। इस बयान के साथ आप ने इंडिया गठबंधन की एकजुटता के दावों के बीच अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखने का संकेत दिया है। हालांकि, संजय सिंह ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर सवाल उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर देशभर में 13 करोड़ 37 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटा दिए गए, जिसे उन्होंने वोट चोरी का एक



सुनियोजित प्रयास बताया। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे और एसआईआर प्रक्रिया को रद्द करने की अपनी मांग को दोहराया। संजय सिंह ने कहा कि यदि लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी यानी तार्किक विसंगतियों के नाम पर मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए गए हैं, तो पश्चिम बंगाल में हुआ हालिया चुनाव अवैध है और उसे रद्द किया जाना चाहिए।

उन्होंने दिल्ली का उदाहरण देते हुए दावा किया कि अरविंद केजरीवाल के विधानसभा क्षेत्र में ही मतदाता सूची से 40 हजार नाम हटाए गए हैं। इस आधार पर उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव को भी रद्द करने की मांग की। संजय सिंह ने बिहार, हरियाणा, कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत उन सभी राज्यों में नए सिरे से चुनाव कराए जाने की मांग की, जहां इस तरह की अनियमितताएं हुई हैं। उनकी यह मांग लोकसभा और विधानसभा, दोनों चुनावों पर लागू होती है। उनका कहना है कि जिन चुनावों में ऐसी गड़बड़ियां हुई, उन्हें रद्द कर दोबारा कराया जाना चाहिए ताकि चुनावी प्रक्रिया की शुचिता बनी रहे और जनता का लोकतंत्र में विश्वास बना रहे।

जम्मू-कश्मीर में कैबिनेट फेरबदल से विधायकों की नाराजगी आई सामने

- फारूक और उमर अब्दुल्ला को ज्ञापन सौंपेंगे चार विधायक, पार्टी नहीं छोड़ने पर सहमति

जम्मू, एजेंसी । जम्मू-कश्मीर में मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के भीतर असंतोष की खबरें सामने आई हैं। पार्टी के कम से कम 18 विधायकों ने श्रीनगर में लोलाब के विधायक कैसर जमशेद लोन के आवास पर एक बैठक की। 27 अक्टूबर को हुए मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद हुई इस बैठक को पार्टी के भीतर बढ़ती नाराजगी के सामने आने से जोड़कर देखा जा रहा है।

मंत्रिमंडल विस्तार में नेशनल कॉन्फ्रेंस के चार विधायकों अली मोहम्मद सागर, मीर सैफुल्ला, शमीमा फिरदौस और अल्ताफ अहमद कालू को मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया था, जबकि निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को बाहर कर दिया गया। बैठक में शामिल एक वरिष्ठ विधायक ने इसे केवल दोस्ताना लंच बताया और किसी राजनीतिक महत्व से इनकार किया।

हालांकि, सूत्रों के मुताबिक विधायकों ने कैबिनेट व्यवस्था और पार्टी के संगठनात्मक कामकाज को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। साथ ही सर्वसम्मति से तय किया गया कि कोई भी विधायक पार्टी नहीं छोड़ेगा और न ही पार्टी तोड़ने की कोशिश करेगा।

चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सौंपेगा ज्ञापन

सूत्रों के अनुसार, विधायकों ने नजीर अहमद के नेतृत्व में चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला किया है। यह प्रतिनिधिमंडल पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को ज्ञापन सौंपेगा। इसमें कैबिनेट व्यवस्था में बदलाव और दो साल से अधिक समय से मंत्री पद पर बने नेताओं को हटाने की मांग शामिल हो सकती है।

सीएम सलाहकार पर भी उठे सवाल

विधायकों ने मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार नासिर सोगमी की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उन पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठनात्मक



मामलों में हस्तक्षेप करने के आरोप लगाए गए हैं। विधायक उनके इस्तीफे, बिना शर्त माफी और पद से हटाने की मांग कर सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात और नेतृत्व की प्रतिक्रिया के बाद ही विधायक आगे की रणनीति तय करेंगे।

यदि सरकार अवैध घुसपैठ रोकने में विफल रहती है तो यह गंभीर चिंता का विषय

मौलाना मदनी ने अप्रवासी नागरिकों के अवैध प्रवेश को लेकर गृहमंत्री शाह पर बोला हमला

नई दिल्ली , एजेंसी। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने हरियाणा के नूंह जिले में आयोजित वार्षिक अधिवेशन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अप्रवासी नागरिकों के अवैध प्रवेश और उन्हें देश से बाहर निकालने के मुद्दे पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार की जिम्मेदारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि सरकार अवैध घुसपैठ को रोकने में विफल रहती है तो यह गंभीर चिंता का विषय है। मौलाना मदनी ने साफ किया कि भारत में किसी भी विदेशी नागरिक का अवैध रूप से प्रवेश स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग कानूनी तरीके से भारत आते हैं, उनके लिए देश में कानून मौजूद है, लेकिन जो अवैध रूप से घुसपैठ करते हैं, उन्हें तुरंत देश से बाहर किया जाना चाहिए।

मदनी का मानना है कि अवैध रूप से देश में आने वाले लोगों को बाहर निकालने से भी ज्यादा जरूरी है कि उनके प्रवेश को ही रोका जाए। गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए मौलाना मदनी ने कहा कि अगर सरकार विदेशी नागरिकों को देश में आने से रोकने में नाकाम रहती है और इसके लिए दूसरों पर आरोप लगाती है, तो वह अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहती है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि अगर आप दूसरे देशों के नागरिकों को इस देश में आने से रोक नहीं सकते तो, आपसे बड़ा गद्दार इस मुल्क में कोई नहीं है। यह बयान अवैध अप्रवासन के मुद्दे पर सरकार की नीति और उसके कार्यान्वयन पर सीधा प्रहार था।

बता दें गृह मंत्रालय ने दिसंबर 2025 में संसद को घुसपैठ से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराए थे, जिनमें बांग्लादेश से 7528, पाकिस्तान से 420, म्यांमार से 298, नेपाल और भूटान से संयुक्त रूप से 157 घुसपैठ के प्रयास दर्ज किए गए थे, जबकि चीन से कोई मामला दर्ज नहीं हुआ था। मदनी ने इस बात पर जोर दिया कि देश की संप्रभुता और सुरक्षा के

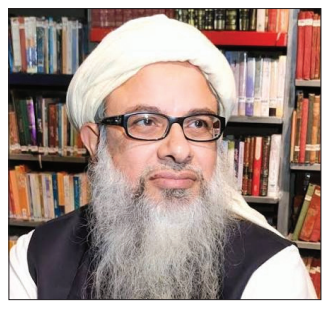

लिए अवैध घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण जरुरी है।

अगर मैच का अंपायर ही पक्षपाती हो, तो फिर खेलने का क्या मतलब?

पायलट ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर पक्षपात करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पक्षपात किया है और भारतीय चुनाव आयोग की निष्पक्षता को खतरे में डाल दिया है। पायलट ने कहा कि आज चुनावी संस्थाओं की निष्पक्षता और स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, जिसके जवाब में कांग्रेस ईसीआई के खिलाफ जन महाभियोग लाने की तैयारी कर रही है।

पायलट का मानना है कि एक कार्यशील लोकतंत्र में जनता का इन संस्थाओं पर भरोसा बना रहना और उसे मजबूत करना बहुत जरुरी है। पायलट ने मतदाता सूची से 13.3 करोड़ लोगों के नाम हटाए जाने पर भी अपनी गहरी चिंता जताई। उन्होंने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर मैच का अंपायर ही पक्षपाती हो, तो फिर खेलने का क्या मतलब है? उन्होंने जनता के संस्थाओं में भरोसे पर जोर दिया। उनका कहना था कि जब स्वयं सिस्टम की निष्पक्षता पर ही शक हो, तो चुनावों में निष्पक्षता कैसे संभव है? पायलट ने कहा कि ज्ञानेश कुमार द्वारा की गई गलतियां अब पुख्ता सबूतों से साबित हो चुकी हैं, जिसके कारण उनके खिलाफ जन महाभियोग प्रक्रिया जरुरी है।

उन्होंने सरकार पर संसद में विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे इन मुद्दों को सार्वजनिक मंच पर उठाना जरुरत हो गया है। पायलट ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि पहले की चयन प्रक्रिया में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल होते थे। उन्होंने उस नए कानून पर आपत्ति जताई जो सीईसी को पद छोड़ने के बाद भी जीवन भर के लिए सुरक्षा प्रदान करता है। पायलट ने तर्क दिया कि अब मुख्य चुनाव आयुक्त देश के ऐसे इकलौते व्यक्ति होंगे, जिन्हें पद छोड़ने के बाद भी जीवन भर सुरक्षा मिलेगी, जबकि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, खुफिया एजेंसी के निदेशक या सेना प्रमुख को भी यह सुविधा नहीं मिलती है। उन्होंने इस कदम के पीछे के तर्क पर सवाल उठाते हुए इसे सरकार की मंशा पर चिंताजनक बताया।



पायलट ने बताया कि विपक्ष चुनावी संस्थाओं से जुड़े इन अहम मुद्दों पर लोगों, विशेषकर युवाओं के बीच जागरूकता बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिन संस्थाओं से पारदर्शी और स्वतंत्र रूप से काम करने की अपेक्षा की जाती है, उन्हें राजनीतिक विचारधारा और जुड़ावों से ऊपर उठना चाहिए। पायलट ने इन मुद्दों को सार्वजनिक मंच पर उठाने के विपक्ष के फैसला का बचाव करते हुए कहा कि संसद के ठीक से काम न करने और सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों के उचित जवाब न मिलने के कारण यह जरुरी हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह लड़ाई पहले से ही कई स्तरों पर लड़ी जा रही है। उनका मानना है कि जनता का संस्थाओं पर भरोसा बना रहना चाहिए, लेकिन जब स्वयं व्यवस्था की निष्पक्षता पर ही प्रश्नचिह्न लगे तो यह विश्वास डगमगा जाता है।

दिल्ली में जूता फैक्ट्री में भीषण आग, दम घुटने से 4 की मौत, 2 गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया में शुक्रवार रात जूते बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। बेसमेंट से शुरू हुई इस आग की चपेट में आने और दम घुटने से कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 2 गंभीर रूप से घायल हैं। दमकल विभाग की करीब 20 गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और इसे ऊपरी मंजिलों में फैलने से रोका। दिल्ली अग्निशमन और पुलिस की टीमों ने फैक्ट्री के अंदर फंसे 6 लोगों को बेहोशी की हालत में निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने 4 को मृत घोषित कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हादसा मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया के फेज-1 स्थित प्लॉट संख्या बी-293/294 में हुआ। यह जूता निर्माण और भंडारण की यूनिट थी। आग की शुरुआत बेसमेंट से हुई थी, जहां अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री, रबर और केमिकल रखे होने के कारण घना धुआं तेजी से फैल गया। दमकल कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई कर लपटों को बेसमेंट तक ही सीमित रखा, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

कैदियों के भागने के मामले में सीएम विजय का एक्शन, डिप्टी जेल सुपरिटेंडेंट निलंबित

17 कर्मचारियों को भी किया निलंबित, अब सभी जेलों में हथियारबंद गार्ड होंगे तैनात

चेन्नई, एजेंसी । तमिलनाडु के थेनी जिला जेल से हाल ही में 17 कैदियों के फरार होने के गंभीर मामले में सीएम विजय ने सख्त एक्शन लिया है। राज्य सरकार ने थेनी जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट एन रामलिंगम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सुरक्षा में हुई चूक के बाद यह फैसला लिया गया, जिसने राज्यभर की जेल सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए थे।



जानकारों के मुताबिक अगस्त 2024 से थेनी में तैनात डिप्टी जेल अधीक्षक एन रामलिंगम को जेल प्रशासन और सुरक्षा निगरानी में विफलता का दोषी पाया गया, जिसके कारण उन्हें सेवा से बर्खास्त किया गया है। उनके साथ कुल 17 अन्य कर्मचारियों को भी निलंबित कर दिया है और उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। इस घटना के बाद सरकार ने तमिलनाडु की सभी केंद्रीय और जिला जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का अहम फैसला लिया है। जेल और सुधार सेवा के पुलिस महानिदेशक संदीप राय राठौर ने इस जानकारी की पुष्टि की है। यह तैनाती सुरक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव का हिस्सा है।

पुलिस महानिदेशक संदीप राय राठौर ने बताया कि अब सभी जेलों के वॉचटावरों पर हथियारबंद जवान तैनात किए जाएंगे, जिन्हें भागने की कोशिश करने वाले किसी भी कैदी को देखते ही गोली मारने का निर्देश दिया जाएगा। यह एक अहम नीतिगत बदलाव है, क्योंकि अभी तक राज्य की ज्यादातर जेलों में वॉचटावरों पर तैनात गार्ड हथियार नहीं रखते थे। इसके साथ ही सभी जेलों में अलार्म सिस्टम ठीक से काम करें, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। सुरक्षा ऑडिट पूरा होने और नई संचालन प्रक्रिया लागू होने के बाद अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी किए जाएंगे, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

बता दें 26 अक्टूबर की रात को थेनी जेल से जेलकर्मियों को घायल कर 17 कैदी फरार हो गए थे, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और 17 विशेष टीमें बनाकर इन सभी कैदियों को जल्द ही पकड़ लिया। पकड़े जाने के बाद सभी कैदियों को उच्च सुरक्षा वाली जेलों में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सम्पादकीय

साइबर ठगी पर सख्ती



सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सराहनीय है कि यदि साइबर धोखाधड़ी के मामलों में बैंकों की गलती या लापरवाही पाई जाती है तो उन्हें पीड़ित व्यक्ति को भरपाई करनी होगी। यह निराशाजनक है कि बैंक असामान्य लेनदेन को भांप पाने में नाकाम हैं, जबकि उन्हें इसके प्रति अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि साइबर धोखाधड़ी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं और यह धोखाधड़ी बैंकों के माध्यम से ही हो रही है। साइबर अपराधी फर्जी पुलिस, कस्टम, सीबीआइ, ईडी अथवा आयकर अधिकारी के रूप में लोगों को डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर ठगने में लगे हुए हैं। उनके झांसे में आकर कोई व्यक्ति जैसे ही उनकी ओर से बताए गए खाते में धनराशि ट्रांसफर करता है, वैसे ही वह एक के बाद एक दूसरे खातों में स्थानांतरित होती जाती है और अधिकांश मामलों में अपराधियों तक पहुंच पाना कठिन हो जाता है। अनेक मामलों में तो यह सामने आया है कि साइबर छल के जरिये हासिल की गई राशि विदेश पहुंच गई। साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर तो लोगों को ठगने का काम कर ही रहे हैं, उन्हें लालच देकर अथवा बहकाकर भी ठगी कर रहे हैं। इस ठगी में भी बैंक ही माध्यम बनते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि साइबर धोखाधड़ी के कुछ मामलों में बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत पाई गई है। ऐसे कुछ कर्मचारियों-अधिकारियों की गिरफ्तारी भी हुई है। एक विडंबना यह भी है कि बैंक म्यूल खातों की पहचान और निगरानी नहीं कर पा रहे हैं, जबकि साइबर ठगी के लिए ऐसे ही खातों का इस्तेमाल होता है।

इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कुछ मामलों में साइबर अपराधी पकड़ में आ जाते हैं और चंद लोगों को छल-छद्म से हड़पी गई राशि भी वापस हो जाती है, लेकिन सच्चाई यही है कि साइबर अपराधियों का दुस्साहस और उनका दायरा बढ़ता चला जा रहा है। अधिकांश मामलों में लोगों को उनकी राशि कभी वापस नहीं मिल पाती। साइबर अपराधी किस तरह बेलगाम हो गए हैं और वे किस बड़े पैमाने पर लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं, इसका पता कुछ माह पहले सामने आए इस आंकड़े से लगता है कि अभी तक 54 हजार करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी हो चुकी है। यह राशि कुछ राज्यों के बजट से भी अधिक है। यह अच्छा है कि सुप्रीम कोर्ट साइबर धोखाधड़ी के मामलों के प्रति लगातार कठोर रुख अपना हुए है और गत दिवस उसने रिजर्व बैंक के प्रस्तावित केवाईसी संशोधन निर्देशों की समीक्षा करने की भी बात कही, लेकिन उचित यह होगा कि सरकारी एजेंसियां भी अपनी सक्रियता दिखाएं, क्योंकि अभी तक तो साइबर अपराधी उनसे दो हाथ आगे ही नजर आ रहे हैं।



पाकिस्तान के खिलाफ राजनाथ सिंह के तेवर देख बगलें झांकने लगा अमेरिका, इंडिया की रक्षा कूटनीति ने पूरी दुनिया में छोड़ा प्रभाव

राजनाथ सिंह की रक्षा कूटनीति ने अमेरिका के सामने भारत की सुरक्षा चिंताओं को जिस दृढ़ता और दोटूक अंदाज में रखा है, उसने पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने के मुद्दे पर वाशिंगटन को भी असहज स्थिति में ला खड़ा किया। एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए अमेरिकी सहायता पैकेज पर भारत की कड़ी आपत्ति और पाकिस्तान को दी जाने वाली संवेदनशील तकनीक के तीसरे देश तक पहुंचने की आशंका उठाकर राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कर दिया कि भारत अब अपनी सुरक्षा के सवाल पर किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है।

आतंकवाद पर दोहरे मापदंडों के खिलाफ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का सख्त संदेश इस बात का संकेत है कि भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी अपनी जगह है, लेकिन पाकिस्तान के मामले में भारत अपने हितों से समझौता नहीं करेगा। देखा जाये तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर साबित किया है कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन में भारत की रक्षा कूटनीति केवल बैठकों और औपचारिक बयानों तक सीमित नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों की स्पष्ट पैरवी करने, मित्र देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भारत की शर्तों को प्रभावी ढंग से सामने रखने का माध्यम भी है।

हम आपको बता दें कि फिलीपींस के सेबू में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान राजनाथ सिंह ने अमेरिका के सामने पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए सहायता पैकेज देने का मुद्दा उठाया। इसके साथ ही जापान और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रियों के साथ उनकी मुलाकातों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती रणनीतिक सक्रियता का एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। राजनाथ सिंह ने भारत का पक्ष इतनी स्पष्टता से रखा कि वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान को दी जाने वाली सैन्य सहायता के दुष्परिणामों पर जवाब देना और इस्लामाबाद का बचाव करना मुश्किल हो गया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ बातचीत में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के एफ-16 कार्यक्रम से जुड़े सहायता पैकेज पर भारत की गंभीर चिंता व्यक्त की। हम आपको बता दें कि अमेरिका का 64.9 करोड़ डॉलर का यह पैकेज पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों की परिचालन क्षमता और रखरखाव को मजबूत करने से जुड़ा है। इसमें एवियोनिक्स सुधार, तकनीकी उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, प्रशिक्षण, सिमुलेटर और लॉजिस्टिक सहायता जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं।

भारत की आपत्ति का मूल प्रश्न यही है कि पाकिस्तान को मिलने वाली ऐसी सैन्य सहायता का वास्तविक इस्तेमाल किस उद्देश्य से होगा और इसका दक्षिण एशिया की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाता रहा है। ऐसे में पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने वाले किसी भी कदम को नई दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा के व्यापक संदर्भ में देखती है।

राजनाथ सिंह ने अमेरिकी पक्ष को इस बात के लिए भी आगाह किया कि पाकिस्तान को दी जाने वाली संवेदनशील सैन्य तकनीक किसी तीसरे देश तक पहुंच सकती है। देखा जाये तो यह चिंता केवल भारत-पाकिस्तान संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी सुरक्षा, हथियारों के प्रसार और व्यापक क्षेत्रीय सामरिक संतुलन से भी जुड़ी है।

राजनाथ सिंह की कूटनीतिक पहल का महत्व इस बात में है कि भारत ने अपनी सुरक्षा संबंधी चिंताओं को सीधे अमेरिकी नेतृत्व के सामने स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रखा है। भारत ने यह संदेश दिया है कि रणनीतिक साझेदारी अपनी जगह है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर वह चुप्पी नहीं साधेगा।

आतंकवाद पर दोहरा मापदंड नहीं चलेगा

राजनाथ सिंह ने अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ बातचीत के दौरान आतंकवाद के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता की नीति पर जोर दिया। उनका संदेश स्पष्ट था कि आतंकवादी संगठनों को समर्थन, प्रशिक्षण या वित्तीय सहायता देने वाले देशों के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय का रवैया सुसंगत और कठोर होना चाहिए। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने भी सीमा पार आतंकवाद से मुकाबले में भारत के प्रति समर्थन दोहराया। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण कूटनीतिक आधार है, क्योंकि आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग तभी प्रभावी हो सकता है जब सुरक्षा संबंधी चिंताओं को केवल बयानों में नहीं, बल्कि व्यावहारिक नीतियों में भी जगह मिले। इसके अलावा, भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी के दस वर्षीय ढांचे की समीक्षा, सैन्य आदान-प्रदान, समुद्री सुरक्षा और रक्षा आपूर्ति शृंखलाओं पर चर्चा से यह भी स्पष्ट होता है कि दोनों देश अपने सहयोग को व्यापक रणनीतिक दिशा देना चाहते हैं। भारत का प्रयास है कि अमेरिका के साथ साझेदारी मजबूत बनी रहे, लेकिन उसके साथ ही पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने जैसे



मुद्दों पर भारतीय चिंताओं को नजरअंदाज न किया जाए।

जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ 'जय': हिंद-प्रशांत में रणनीतिक संदेश

साथ ही राजनाथ सिंह की कूटनीति का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ उनकी बातचीत है। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ चर्चा में समुद्री सुरक्षा, नौसैनिक जहाज निर्माण, डिजाइन और माइन काउंटरमेजर्स क्षमताओं में सहयोग जैसे मुद्दे शामिल रहे। जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की विनिर्माण क्षमता को जोड़ने की संभावनाएं रक्षा औद्योगिक सहयोग को नई दिशा दे सकती हैं। जापान के साथ वायुसेना सहयोग बढ़ाने और रक्षा उद्योग से जुड़ी कंपनियों के बीच संपर्क मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। यह सहयोग केवल सैन्य अभ्यासों तक सीमित नहीं है; इसका उद्देश्य दीर्घकाल में रक्षा क्षमताओं, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करना भी है। ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ बैठक में दोनों देशों ने रक्षा सहयोग की समीक्षा की और आपसी समन्वय बढ़ाने पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने उन्हें फरवरी 2027 में बेंगलुरु में प्रस्तावित एयरो इंडिया में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। इसी बीच राजनाथ सिंह की जापानी और ऑस्ट्रेलियाई समकक्षों के साथ तस्वीर तथा उनका संदेश, जय : जापान, आस्ट्रेलिया, इंडिया, विशेष राजनीतिक और रणनीतिक महत्व रखता है। यह तीनों देशों के बीच सहयोग, विश्वास और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा हितों का प्रतीक है। एक स्वतंत्र, खुला और सुरक्षित हिंद-प्रशांत भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी का प्रमुख आधार बना हुआ है।

राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रक्षा कूटनीति का व्यापक दृष्टिकोण

इन बैठकों को एक साथ देखने पर राजनाथ सिंह की रक्षा कूटनीति के दो महत्वपूर्ण आयाम सामने आते हैं। एक तो अमेरिका जैसे प्रमुख रणनीतिक साझेदार के सामने पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने के दुष्परिणामों पर स्पष्ट आपत्ति दर्ज कराना। दूसरा, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे विश्वसनीय साझेदारों के साथ रक्षा, तकनीक, समुद्री सुरक्षा और औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाना। यही सक्रिय रक्षा कूटनीति की विशेषता है। भारत किसी एक देश के साथ संबंधों पर निर्भर रहने के बजाय कई स्तरों पर साझेदारियां मजबूत कर रहा है। वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय सहयोग का दायरा भी बढ़ाना चाहता है। बहरहाल, पाकिस्तान को एफ-16 सहायता पर अमेरिकी मंत्री के सामने दोटूक आपत्ति और जापान-ऑस्ट्रेलिया के साथ 'जय' का संदेश, ये दोनों घटनाक्रम मिलकर भारत की उस रक्षा नीति को रेखांकित करते हैं, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा पर दृढ़ता और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी का विस्तार साथ-साथ चलते हैं।

राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत की रक्षा कूटनीति का यही व्यापक दृष्टिकोण उसे बदलते वैश्विक परिदृश्य में अधिक सक्रिय और प्रभावशाली भूमिका निभाने का अवसर देता है।

प्रशासनिक सुधारों को आगे बढ़ाने का समय



विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य की दिशा में प्रशासनिक रोडमैप को गति देते हुए राजस्थान के मुख्य सचिव ने बीते दिनों भारतीय गुणवत्ता परिषद यानी क्यूसीआइ को शासन के छह विभागों के गहन संस्थागत परीक्षण का जिम्मा सौंपा है। इस कवायद का उद्देश्य कार्यप्रणालियों का विस्तृत खाका तैयार करना, विभागीय प्राथमिकताओं के अनुरूप मौजूदा मानव संसाधन की समीक्षा करना, अंतर-विभागीय दोहराव को समाप्त करना और प्रशासनिक पदानुक्रम के प्रत्येक स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

अरुणाचल प्रदेश भी 2025 में प्रशासनिक सुधार आयोग का गठन कर चुका है। केरलम ऐसी चार कवायदें पहले ही पूरी कर चुका है। यह रुझान दर्शाता है राज्यों ने अपनी प्रशासनिक मशीनरी को चुस्त-दुरुस्त बनाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। जबकि केंद्र सरकार ने 2009 के बाद से ऐसी कोई पहल नहीं की है। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि केंद्र सरकार ने विकसित भारत का नारा तो गढ़ा है, लेकिन वह अपने स्तर पर इस दिशा में कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठा रही है?

कई कसौटियों पर प्रशासनिक सुधार आवश्यक ही नहीं, अपितु अपरिहार्य हो गए हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि सरकारी परियोजनाएं भारी लेट-लतीफी की शिकार हैं। केंद्रीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधिकारिक निगरानी रिपोर्ट दर्शाती है कि 458 परियोजनाओं की स्वीकृत लागत में 5.71 लाख करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त बढ़ोतरी हो गई है। ये परियोजनाएं कई महीनों से लेकर दशकों की देरी तक खिंच चुकी हैं। सुधारों की राह में इस पहलू को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि सरकारें सबसे बड़ी मुकदमेबाज बन गई हैं। वर्ष 2025 के अंत तक अदालतों में लंबित 5.39 करोड़ मुकदमों में केंद्र और राज्य सरकारें ही एक पक्ष हैं। स्थिति ऐसी बन गई है कि सरकार का एक विभाग ही दूसरे विभाग के खिलाफ अपील दायर कर रहा है और इस तकरार की कीमत आम नागरिकों के लंबित मामलों को चुकानी पड़ रही है। सुधारों की राह में तीसरी कसौटी योजनाओं को सुसंगत बनाने की है। केंद्र प्रायोजित योजनाओं का दायरा कागजों पर तर्कसंगत बनाकर 130 से घटाकर 75 मूल श्रेणियों में समेटने का दावा तो किया गया, लेकिन हकीकत यही है कि 2025-26 में इनका बजट 5.4 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। इनमें से तमाम योजनाएं दशकों से चली आ रही हैं, लेकिन उनकी उपयोगिता की व्यापक समीक्षा की सुध पहली बार पिछले साल ली गई है। चौथी कसौटी प्रशासनिक अधिकारियों से ही जुड़ी है। जहां सरकारों के सचिवालय तो बाबुओं से भरे हुए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अधिकारियों का भारी अभाव है। एक जनवरी 2025 तक आइएएस का लगभग हर पांचवां पद और आइएफएस का हर तीसरा पद खाली पड़ा था। इसका असर जिला स्तर और फील्ड पोस्टिंग में स्पष्ट दिखता है। पांचवीं कसौटी यही है कि मौजूदा व्यवस्था में किसी के भी काम की जवाबदेही या प्रदर्शन को समग्रता में नहीं आंका जाता। रिजल्ट्स फ्रेमवर्क डाक्युमेंट्स की व्यवस्था ने एक समय सचिव स्तर के शीर्ष अधिकारियों को वार्षिक लक्ष्यों के लिए सीधे जवाबदेह बनाया था, जिनकी स्वतंत्र समीक्षा तीसरे पक्ष से कराई जाती थी। अपने दौर में करीब 80 विभागों को दायरे में लेने वाली यह व्यवस्था 2013-14 के बाद ठंडे बस्ते में डाल दी गई और इसका कोई विकल्प तक तैयार नहीं किया गया।

स्पष्ट है कि जो व्यवस्था अपने अधिकारियों की कार्यक्षमता का ही हिसाब नहीं रख सकती तो वह उनके काम की कद्र कर उन्हें पुरस्कृत करेगी? ऐसे में ठोस नतीजों की उम्मीद बेमानी ही कही जाएगी। ऐसा नहीं कि इन विसंगतियों को पहले चिह्नित न किया गया हो। वर्ष 2006 से 2009 के बीच द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग के माध्यम से केंद्र सरकार के स्तर पर 15 रिपोर्ट और 1,514 सिफारिशें प्रस्तुत की गई थीं। इनमें से सरकार ने 1,183 को स्वीकार भी कर लिया था। इनके क्रियान्वयन का अंतिम बार हिसाब मई 2012 में दिया गया था। तब यह संख्या 533 दर्ज की गई थी और उसके बाद कभी इनकी गिनती ही नहीं हुई।

यह सही है कि दिसंबर 2023 तक 1,562 अप्रासंगिक हो चुके पुराने कानूनों को निरस्त किया गया। इसी क्रम में जन विश्वास अधिनियम, 2023 के जरिये 183 प्रविधानों को आपराधिक बंदिश से मुक्त किया गया। वर्ष 2017 के बजट से योजनागत और गैर-योजनागत व्यय का भेद समाप्त कर दिया गया। ये तमाम सुधार ऐसे हैं, जिनसे व्यवस्था के भीतरी तंत्र के विशेषाधिकारों पर जरा भी आंच नहीं आई। जबकि जिन सुधारों को दफन कर दिया गया, वे सत्ता प्रतिष्ठान की मानसिकता को पूरी तरह बेनकाब करते हैं। मंत्रालयों के एकीकरण या उन्हें सुगठित बनाने का यही अर्थ है कि नेताओं के विशेषाधिकारों पर चोट होना।

सिविल सेवाओं के लिए एक कड़ा कानून भी अधिकारियों के सुरक्षा आवरण और सुविधावादी रवैये पर आघात करता है। असल में जब कुछ समूह अपने निहित स्वार्थों के लिए लामबंद होते हैं, तो सुधार वहीं दम तोड़ देते हैं। इस क्रम में विशेषाधिकार संपन्न वर्ग अपने मनमाने अधिकारों या विवेकाधिकारों की रक्षा में उतर आता है। भारत में सुधारों का क्रियान्वयन उनकी उपयोगिता या योग्यता से नहीं, बल्कि इस बात से निर्धारित हुआ है कि उनकी आंच किसको झेलनी पड़ेगी। स्पष्ट है कि यहां बीमारी पहचान करने में कोई समस्या नहीं, बल्कि वास्तविक समस्या उसके उपचार की है कि उसमें किसकी जवाबदेही तय की जाए।

स्पष्ट है कि सुधारों की राह में परियोजनाओं की पूर्णता को लेकर अनुशासन बरतना होगा। सरकारों को मुकदमेबाजी के चलन से बचना होगा। परियोजनाओं की एक मियाद भी तय करनी होगी। प्रशासनिक अधिकारियों के कैडर का संतुलित रूप से पुनर्गठन करना होगा। हर विभाग का समग्रता में उचित मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाए। यदि हमें विकसित भारत के लक्ष्य की पूर्ति करनी है तो अगले दो दशकों तक करीब आठ प्रतिशत की दर से आर्थिक वृद्धि करनी होगी।



फिल्म सेट पर महिलाओं के मतभेद की धारणा को राधिका आप्टे ने बताया गलत



बॉलीवुड की बहुमुखी अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही आगामी डिजिटल वेब सीरीज अक्का में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में उनके साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में इस सीरीज के प्रचार के सिलसिले में बात करते हुए राधिका आप्टे ने फिल्म सेट पर महिला कलाकारों के आपसी संबंधों को लेकर वर्षों से चली आ रही रूढ़िवादी धारणाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने उस प्रचलित सोच को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिसमें यह दावा किया जाता है कि जब दो महिला कलाकार किसी प्रोजेक्ट में एक साथ काम करती हैं, तो उनके बीच अक्सर अनबन, मनमुटाव या झगड़े होते हैं। राधिका आप्टे का मानना है कि किसी भी कार्यस्थल का माहौल किसी व्यक्ति के लिंग से तय नहीं होता, बल्कि यह लोगों के आपसी तालमेल और व्यवहार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद पुरानी और आधारहीन सोच है कि महिलाएं आपस में तालमेल नहीं बैठा पातीं। अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि कई बार पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक असुरक्षा की भावना देखी जाती है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुद्दा पुरुष या महिला होने का नहीं है, बल्कि यह विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत संबंधों और आपसी समझ का विषय है। किसी भी क्षेत्र में आप कुछ लोगों के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं और आसानी से घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ लोगों के साथ आपका मानसिक तालमेल नहीं बैठ पाता।

वेब सीरीज अक्का के शूटिंग सेट का अनुभव साझा करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वहां का माहौल अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक था। सेट पर कैमरे के सामने काम करने वाली स्टारकास्ट और कैमरे के पीछे काम करने वाली तकनीकी टीम में महिलाओं और पुरुषों की लगभग समान भागीदारी थी। उन्होंने कहा कि सेट पर एक बहुत ही खूबसूरत सिस्टरहुड यानी बहनों जैसा माहौल था, जिसने पूरी शूटिंग प्रक्रिया को बहुत सहज और आनंददायक बना दिया। इसके साथ ही राधिका आप्टे ने यह भी रेखांकित किया कि काम के सिलसिले में किसी के साथ अच्छा तालमेल होने का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप उनके बहुत गहरे मित्र बन जाएं। बिना करीबी दोस्त बने भी एक पेशेवर और गरिमापूर्ण माहौल में बेहतरीन काम किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि वेब सीरीज अक्का एक थ्रिलर गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें महिलाओं को मुख्यधारा में दिखाया गया है। इस सीरीज का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है, जो इस शो के लेखक भी हैं। यह कहानी 1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक काल्पनिक दुनिया को दर्शाती है, जिसे पीढ़ियों से महिलाओं ने ही बनाया, चलाया और संरक्षित रखा है। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज 30 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है।

फीचर्स कैटरीना कैफ का ट्रोल्स को करारा जवाब- कैसी वापसी?

अपने समय पर फिट होऊंगी मैं



अंबानी परिवार के गणपति उत्सव में पति विक्की कौशल संग पहुंचीं कैटरीना कैफ को मां बनने के बाद बढ़े वजन के लिए सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया था। अब आखिरकार कैटरीना ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू में ट्रोलर्स को करारा जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि लोग अक्सर दूसरों की राय में बह जाते हैं। हालांकि, वो इन सब बातों से बेअसर हैं और अपनी जिंदगी के इस खूबसूरत दौर पर ध्यान दे रही हैं। कैटरीना ने अपने बढ़े हुए वजन पर ट्रोल करने वालों को कहा, हर किसी को पता होता है कि मां बनने के बाद महिला के शरीर में किस तरह के बदलाव आते हैं, इसके बावजूद अगर लोग किसी के शरीर को गलत या कठोर नजरिए से देखना चुनते हैं तो ये उनकी अपनी सोच है। इसे जानकारी की कमी नहीं कहा जा सकता, क्योंकि आज के समय में हर जगह इस बारे में पूरी जानकारी मौजूद है।

कैटरीना अपनी फिटनेस को लेकर पूरी तरह सजग और जागरूक हैं।

उन्होंने कहा, मैं पुरानी स्थिति में लौटने के बजाय जिंदगी में आगे बढ़ चुकी हूं। मां बनने के बाद जब मैंने अपने बेटे विहान को देखा तो वो पल बेहद खास था। वही पल मुझे एहसास दिलाता है कि मेरेऔर विक्की कौशल के 4 साल के उतार-चढ़ाव भरे सफर का खूबसूरत नतीजा अब मेरे सामने है, इसलिए मैं किसी दबाव के बिना अपनी गति से आगे बढ़ रही हूं। कैटरीना ने कहा, मैं अच्छी तरह जानती हूं कि मेरा शरीर कब सबसे ज्यादा ऊर्जावान महसूस करता है। मैं अपनी रफ्तार से वहां पहुंचूंगी। महिला के शरीर और उसकी प्राकृतिक बनावट को आज बदसूरती और बीमारी से जोड़कर देखा जा रहा है। महिलाओं के चेहरे के भाव, शरीर की बनावट, स्तनों का आकार और बच्चे को जन्म देने के बाद त्वचा में होने वाले बदलावों जैसी स्वाभाविक चीजों को भी गलत नजरिए से देखा जाता है। कैटरीना ने 9 दिसंबर, 2021 को अभिनेता विक्की कौशल से राजस्थान के सिक्स सेंसेज फोर्ट बरवाड़ा में शादी की थी। शादी के 4 साल बाद ये जोड़ी 7 नवंबर, 2025 को माता-पिता बनी। उनके घर एक नन्हे बेटे का जन्म हुआ, जिसका नाम उन्होंने विहान रखा है। कैटरीना और विक्की दोनों ही अपने बेटे के आगमन से बेहद खुश हैं और सोशल मीडिया की परवाह किए बिना अपने परिवार के इस नए खूबसूरत दौर का आनंद ले रहे हैं।

वर्क-लाइफ बैलेंस के साथ काम पर लौटेंगी अभिनेत्री

विक्की ने कहा था कि एक महिला जब माँ बनने के अनुभव से गुजरती है, तो उसका शरीर कई शारीरिक और मानसिक बदलावों का सामना करता है। ऐसे समय में सहानुभूति और सम्मान की जगह अनचाही टिप्पणियां करना दुखद है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक पति और पिता के रूप में उनका पूरा ध्यान अपनी पत्नी के स्वास्थ्य और अपने बच्चे की देखभाल पर है। माँ बनने और पर्सनल लाइफ के इस खूबसूरत दौर का आनंद लेने के साथ-साथ कैटरीना कैफ ने अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग और ब्रांड कमिटमेंट्स पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैटरीना ने स्पष्ट किया है कि वे किसी तरह की जल्दबाजी या अपनी बॉडी पर अतिरिक्त दबाव डाले बिना ही सेट पर वापसी करेंगी। वे अपने वर्क-लाइफ बैलेंस (Work-Life Balance) को प्राथमिकता दे रही हैं और उनके इस फैसले को उनके फैंस और बॉलीवुड इंडस्ट्री के सह-कलाकारों से काफी सराहा जा रहा है। गौरतलब है कि कैटरीना कैफ ने 9 दिसंबर 2021 को अभिनेता विक्की कौशल के साथ राजस्थान के सिक्स सेंसेज फोर्ट बरवाड़ा में शादी की थी। शादी के चार साल बाद 7 नवंबर 2025 को इस जोड़े के घर नन्हे बेटे का जन्म हुआ, जिसका नाम उन्होंने 'विहान' रखा है। फिलहाल कैटरीना और विक्की सोशल मीडिया की अनचाही टिप्पणियों की परवाह किए बिना अपने परिवार के इस नए और हसीन सफर को पूरी शिद्दत से जी रहे हैं।

मां बनने के बाद शरीर में आए बदलावों और मानसिक संघर्ष पर करिश्मा तन्ना का छलका दर्द

हाल ही में मातृपद प्राप्त करने वाली मशहूर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में होने वाले प्राकृतिक बदलावों और उससे जुड़ी मानसिक चुनौतियों पर बेहद संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया है कि एक नन्हें शिशु को जन्म देने के बाद अपने बदले हुए शरीर को स्वीकार करना और उसके साथ सामंजस्य बिठाना कभी-कभी काफी कठिन और थकाऊ साबित होता है।

अभिनेत्री ने अपने दिल के उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार उन्हें गर्भावस्था से पहले वाले अपने सुगठित शरीर की बेहद याद आती है। जब भी वह आईने के सामने खड़ी होती हैं, तो पेट का ढीलापन, त्वचा में आई शिथिलता और शारीरिक आकार में आए बदलाव उन्हें स्पष्ट नजर आते हैं। कपड़े खरीदने या तैयार होने की इच्छा भी ऐसे समय में अक्सर खत्म हो जाती है, जो किसी भी नई मां के लिए



मानसिक रूप से काफी भारी पड़ सकता है। हालांकि, करिश्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी स्थितियों में खुद के प्रति कठोर होने के बजाय दयालुता का भाव रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने खुद को यह याद दिलाया कि उनके शरीर ने एक नए जीवन को जन्म दिया है और उसके विकास के लिए नौ महीनों तक सुरक्षित माहौल प्रदान किया है। शिशु के जन्म को अभी केवल ढाई महीने का समय ही बीता है, ऐसे में इतनी जल्दी पुरानी शारीरिक संरचना को वापस पाने की उम्मीद लगाना बेमानी है। करिश्मा का मानना है कि एक महिला एक ही समय में मां बनने के सुखद अनुभव के प्रति आभारी भी हो सकती है और साथ ही अपने पुराने स्वरूप को खोने का दर्द भी महसूस कर सकती है। यह दोनों भावनाएं बिल्कुल स्वाभाविक हैं और इन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि जिस कोमलता और प्रेम की हकदार मांएं अपने बच्चों को मानती हैं, वही कोमलता उन्हें खुद अपने प्रति भी दिखानी चाहिए। वे अब अपनी शारीरिक बनावट की आलोचना करने के बजाय अपने शरीर को ठीक होने, मजबूत बनने और पुनः सहज महसूस करने का पूरा समय दे रही हैं। उन्होंने अन्य सभी माताओं को सांत्वना देते हुए कहा कि वे इस मानसिक और शारीरिक सफर में बिल्कुल अकेली नहीं हैं। गौरतलब है कि करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगेरा ने इस वर्ष अप्रैल में अपने पहले बच्चे के आगमन की खुशखबरी साझा की थी, जिसके बाद जुलाई में उनके घर एक सुंदर बेटे का जन्म हुआ।

उड़ता तीर कर रही ताबड़तोड़ कमाई

6 दिनों में पहुंची 50 करोड़ के करीब



बॉलीवुड की बहुमुखी अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही आगामी डिजिटल वेब सीरीज अक्का में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में उनके साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में इस सीरीज के प्रचार के सिलसिले में बात करते हुए राधिका आप्टे ने फिल्म सेट पर महिला कलाकारों के आपसी संबंधों को लेकर वर्षों से चली आ रही रूढ़िवादी धारणाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने उस प्रचलित सोच को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिसमें यह दावा किया जाता है कि जब दो महिला कलाकार किसी प्रोजेक्ट में एक साथ काम करती हैं, तो उनके बीच अक्सर अनबन, मनमुटाव या झगड़े होते हैं। राधिका आप्टे का मानना है कि किसी भी कार्यस्थल का माहौल किसी व्यक्ति के लिंग से तय नहीं होता, बल्कि यह लोगों के आपसी तालमेल और व्यवहार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद पुरानी और आधारहीन सोच है कि महिलाएं आपस में तालमेल नहीं बैठा पातीं। अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि कई बार पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक असुरक्षा की भावना देखी जाती है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुद्दा पुरुष या महिला होने का नहीं है, बल्कि यह विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत संबंधों और आपसी समझ का विषय है। किसी भी क्षेत्र में आप कुछ लोगों के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं और आसानी से घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ लोगों के साथ आपका मानसिक तालमेल नहीं बैठ पाता।

वेब सीरीज अक्का के शूटिंग सेट का अनुभव साझा करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वहां का माहौल अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक था। सेट पर कैमरे के सामने काम करने वाली स्टारकास्ट और कैमरे के पीछे काम करने वाली तकनीकी टीम में महिलाओं और पुरुषों की लगभग समान भागीदारी थी। उन्होंने कहा कि सेट पर एक बहुत ही खूबसूरत सिस्टरहुड यानी बहनों जैसा माहौल था, जिसने पूरी शूटिंग प्रक्रिया को बहुत सहज और आनंददायक बना दिया। इसके साथ ही राधिका आप्टे ने यह भी रेखांकित किया कि काम के सिलसिले में किसी के साथ अच्छा तालमेल होने का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप उनके बहुत गहरे मित्र बन जाएं। बिना करीबी दोस्त बने भी एक पेशेवर और गरिमापूर्ण माहौल में बेहतरीन काम किया जा सकता है।

रणबीर कपूर ने बचपन की दिवाली परंपराओं को याद किया



पटना : अभिनेता रणबीर कपूर ने लोकप्रिय क्विज़ आधारित रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति के दिवाली स्पेशल एपिसोड में अपनी बचपन की दीवाली की यादों को ताज़ा किया। मेगास्टार अमिताभ बच्चन द्वारा होस्ट किए गए इस शो में उन्होंने अपनी प्रिय दीवाली परंपराओं को याद किया। त्योहार से जुड़ी अपनी यादें साझा करते हुए रणबीर ने कपूर परिवार के पारंपरिक जश्न के बारे में बात की, जिसकी शुरुआत आर के स्टूडियो में लक्ष्मी पूजा से होती थी। इसके बाद वे अपनी दादी, कृष्णा राज कपूर से मिलने जाते थे, जो उन्हें मिठाइयां और पैसे देती थीं। घर जाने के बाद और लक्ष्मी पूजा करने के पश्चात, पापा बाहर जाकर कुछ पटाखे जलाते थे और फिर हम सब साथ में खाना खाते थे और सो जाते थे और हमारे लिए वही एक परफेक्ट दिवाली होती थी।

बच्चों के लिए स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीदते समय इन पांच बातों का रखें ध्यान



बच्चों की देखभाल करते समय माता-पिता कई चीजों का ध्यान रखते हैं। इनमें से एक है पाउडर का इस्तेमाल। पाउडर का उपयोग बच्चों की त्वचा को ताजगी देने और पसीने को सोखने में मदद करता है। हालांकि, पाउडर का उपयोग करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि बच्चे की त्वचा को कोई नुकसान न पहुंचे। आइए जानते हैं कि बच्चों के लिए पाउडर का उपयोग करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पाउडर का चयन करते समय रखें इन बातों का ध्यानः बच्चे के लिए पाउडर खरीदते समय उसकी सामग्री पर ध्यान दें। ऐसे पाउडर चुनें, जिनमें प्राकृतिक तत्व हों और किसी भी तरह के हानिकारक रसायन न हों। टैल्कम पाउडर से बचें क्योंकि इसमें टैल्क नामक तत्व होता है, जो सांस की समस्या पैदा कर सकता है। इसके बजाय मक्के के आटे पर आधारित पाउडर का चयन करें, जो सुरक्षित और प्राकृतिक होता है। इसके अलावा खुशबू वाले पाउडर लेने से भी बचें। नहाने के बाद ही पाउडर का करें इस्तेमालः बच्चे की त्वचा को ताजगी देने के लिए पाउडर का इस्तेमाल नहाने के बाद करना चाहिए। नहाने से पहले पाउडर न लगाएं क्योंकि इससे त्वचा की स्वाभाविक नमी खत्म हो सकती है। नहाने के बाद जब त्वचा हल्की



गीली होती है, तब पाउडर लगाने से वह अच्छी तरह अवशोषित हो जाता है और त्वचा को सूखा और ताजगी भरा महसूस होता है। इससे पसीना भी आसानी से सोख लिया जाता है। सही मात्रा में ही लगाएं पाउडरः पाउडर लगाने की मात्रा बहुत जरूरी है। ज्यादा मात्रा में पाउडर लगाने से बच्चे की त्वचा पर चकत्ते हो सकते हैं या खुजली हो सकती है। हमेशा जरूरत के हिसाब से ही पाउडर लगाएं। थोड़ी मात्रा में पाउडर लगाना ही काफी होता है ताकि वह अच्छी तरह फैल सके और पूरी तरह से अवशोषित हो जाए। इससे बच्चे की त्वचा सूखी रहती है और पसीना भी आसानी से सोख लिया जाता है।

आंखों और मुंह से दूर रखेंः पाउडर लगाते समय ध्यान रखें कि वह बच्चे की आंखों और मुंह से दूर रहे। अगर पाउडर आंखों में चला जाए तो जलन हो सकती है और मुंह में जाने पर असुविधा हो सकती है। इसके लिए पहले हाथों पर थोड़ी मात्रा में पाउडर लें, फिर उसे धीरे-धीरे बच्चे की पीठ, गर्दन और अन्य हिस्सों पर लगाएं। इस तरह पाउडर सही तरीके से लगेगा और बच्चे की त्वचा भी सुरक्षित रहेगी।



पैन पैसिफिक ओपन के फाइनल में पहुंचीं लेयला फर्नांडेज

टोक्यो। पैन पैसिफिक ओपन 2026 में कनाडा की स्टार टेनिस खिलाड़ी लेयला फर्नांडेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में डायना श्नाइडर ने मिया पोहांकोवा को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की।कनाडा की लेयला फर्नांडेज ने सेमीफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा को 7-5, 6-3 से हराया। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला एक घंटे 54 मिनट तक चला। फर्नांडेज को दोनों सेटों में शुरुआती समय में ब्रेक का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। लेयला फर्नांडेज के लिए यह साल का तीसरा डब्ल्यू फाइनल होगा। एशियाई दौरे पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने सितंबर में सिंगापुर ओपन का खिताब जीता था, जहां उन्होंने तालिया गिब्सन को हराया था। हालांकि, पिछले सप्ताह निंगबो ओपन के फाइनल में उन्हें एलेना रिबाकिना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

डायना श्नाइडर ने भी फाइनल में बनाई जगह

दूसरे सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर ने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाली 18 वर्षीय मिया पोहांकोवा को 6-4, 7-6 (7) से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 46 मिनट तक चला। श्नाइडर ने पहले सेट में शुरुआती ब्रेक के बाद वापसी की और 6-4 से जीत हासिल की। दूसरे सेट में उन्हें टाईब्रेक के दौरान सेट प्वाइंट भी बचाना पड़ा।दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। पोहांकोवा ने सेट जीतने का मौका बनाया, लेकिन श्नाइडर ने शानदार खेल दिखाते हुए सेट प्वाइंट बचा लिया। इसके बाद उन्होंने टाईब्रेक 9-7 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ श्नाइडर ने सीजन के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली।

सिंधु और अनमोल के बीच सेमीफाइनल मुकाबला

जर्मनी। हाइलो ओपन 2026 में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा शटलर अनमोल खरब ने महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों की जीत के साथ अब सेमीफाइनल में ऑल-इंडियन मुकाबला तय हो गया है। वहीं पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने भी शानदार वापसी करते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली है।

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दूसरी वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने हाइलो ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने डेनमार्क की अमाली शुल्ज को लगातार दो गेम में 21-12, 21-10 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला सिर्फ 28 मिनट तक चला, जिसमें सिंधु ने शुरुआत से ही अपनी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा।

भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी अनमोल खरब ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा को हरा दिया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबला काफी रोमांचक रहा।

युवराज सिंह की चयनकर्ताओं को बड़ी सलाह

अभिषेक-वैभव को वनडे में मौका नहीं मिला तो होगी बड़ी नाइंसाफी



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने युवा बल्लेबाजों को लेकर बड़ा बयान दिया है। युवराज चाहते हैं कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन को वनडे क्रिकेट में भी नियमित मौके मिलने चाहिए। उनका मानना है कि इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें 50 ओवर के फॉर्मेट से दूर रखना सही नहीं है।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह का मानना है कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को वनडे क्रिकेट में भी खेलने का मौका मिलना चाहिए। युवराज लंबे समय से अभिषेक को मार्गदर्शन देते रहे हैं और उनकी बल्लेबाजी को करीब से समझते हैं। उन्होंने साफ कहा कि इन खिलाड़ियों को 50 ओवर के फॉर्मेट में मौका नहीं देना उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी होगी। युवराज सिंह ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'मैं ईमानदारी से अभिषेक को वनडे क्रिकेट में खेलते हुए देखना चाहूंगा। मैं पहले भी कह चुका हूं कि अगर हम ईशान किशन, अभिषेक और वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों को 50 ओवर के क्रिकेट में नहीं चुनते हैं, तो कहीं न कहीं हम उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं।'

युवराज ने आगे कहा, 'मैं समझता हूं कि हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उनके लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल है। लेकिन जिस तरह ये युवा बल्लेबाज प्रदर्शन कर रहे हैं, उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही टीम में जगह मिलनी चाहिए। अभिषेक ने जो कुछ हासिल किया है, वह उनकी कड़ी

तीनों खिलाड़ियों ने दिखाई है अपनी ताकत

अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ने टी20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खास पहचान बनाई है। ईशान किशन ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान दिया था। वहीं अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से लगातार प्रभावित कर रहे हैं। दूसरी ओर युवा वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही बड़े-बड़े गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करके सुर्खियां बटोरी हैं।

ईशान की वनडे टीम में हो चुकी है वापसी

ईशान किशन की वनडे टीम में वापसी कुछ महीने पहले हुई थी। उन्होंने अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था। लखनऊ में खेले गए वनडे मुकाबले में ईशान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 125 रनों की विस्फोटक पारी खेली थी। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ दो मुकाबलों में वह बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी ईशान किशन भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेसः भारत ने लगाई हार की हैट्रिक! अब इंग्लैंड ने हराया

मोंग कोक। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बाद अब इंग्लैंड ने भी भारत को हरा दिया है। शनिवार को खेले गए बाउल सेमीफाइनल-2 में इंग्लैंड ने भारत को तीन रन से शिकस्त दी। इस हार के साथ ही भारतीय टीम ने लगातार तीसरी हार झेली। अब भारत को टूर्नामेंट



में 11वें और 12वें स्थान के लिए मुकाबला खेलना होगा।भारत को यूएई के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टिन क्वॉग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। भारतीय टीम ने छह ओवर में छह विकेट पर 94 रन बनाए। भारत की ओर से टी. नटराजन ने 14 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 38 रन बनाए। राहुल त्रिपाठी ने 24 और कप्तान क्रुणाल पंड्या ने 15 रन का योगदान दिया। हालांकि, बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। जवाब में यूएई ने 95 रन का लक्ष्य महज 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया। कप्तान खालिद शाह ने 14 गेंदों में नाबाद 52 और अंश टंडन ने 12 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाए।

उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे...नहीं चला भुवनेश्वर का जादू!

चार साल बाद की थी वापसी, आकाश चोपड़ा ने जताई निराशा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में उनके प्रदर्शन ने सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने भी भुवनेश्वर की वापसी को लेकर निराशा जाहिर की है। आकाश चोपड़ा का मानना है कि भुवनेश्वर की वापसी वैसी नहीं रही, जैसी भारतीय प्रशंसकों और टीम मैनेजमेंट को उनसे उम्मीद थी। यही वजह रही कि न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना पड़ा और उनकी जगह मयंक यादव को मौका दिया गया।

चोपड़ा ने भुवनेश्वर के प्रदर्शन पर उठाए सवाल

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में भुवनेश्वर कुमार के प्रदर्शन का विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि शुरुआती तीन टी20 मुकाबलों में भुवनेश्वर ने काफी रन खर्च किए, जिसके बाद उनकी वापसी पर सवाल उठने लगे हैं। चोपड़ा ने कहा, 'इंजरी की वजह से प्रसिद्ध कृष्णा को वनडे टीम में नहीं चुना गया। भुवी को वनडे टीम में नहीं चुना गया है। उन्होंने शुरुआती तीन टी20 मैचों में इतने रन दिए हैं कि उनकी वापसी पर सवाल उठ रहे हैं। चौथे टी20 में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने ने उनकी वापसी पर उठ रहे सवाल को और गहरा दिया है। भुवी की वापसी वैसी नहीं रही है जैसी इंडियन फैंस उम्मीद कर रहे थे।'

चौथे टी20 में भी भारतीय गेंदबाजों ने लुटाए 259 रन

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय गेंदबाजी एक बार फिर प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही। भुवनेश्वर कुमार की गैरमौजूदगी में उतरी भारतीय टीम ने 259 रन खर्च कर दिए। इसके जवाब में भारतीय बल्लेबाज 172 रन ही बना सके और टीम को 87 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में भुवनेश्वर की जगह मयंक यादव को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। हालांकि, भारतीय गेंदबाजी की कमजोरियां इस मैच में भी उजागर हुईं।

पांचवें टी20 में भुवनेश्वर की वापसी पर नजर

अब सभी की निगाहें सीरीज के पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले पर टिकी हैं। यदि भुवनेश्वर कुमार को इस मैच में भी मौका नहीं मिलता है, तो उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर को लेकर चर्चाएं और तेज हो सकती हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मुकाबला एक नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा। भारतीय टीम सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना चुकी है। टीम इंडिया की कोशिश आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज को 4-1 से अपने नाम करने की होगी, जबकि न्यूजीलैंड जीत के साथ सीरीज का अंत 3-2 से करना चाहेगा।

जापान को 4-1 से हराया, अभिषेक-हरमनप्रीत और विष्णुकांत ने दागे गोल



भारतीय हॉकी टीम ने लगाई जीत की हैट्रिक

जालंधर, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम का एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन जारी है। पांच बार की चैंपियन भारत ने खेले गए मुकाबले में जापान को 4-1 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत की जीत के हीरो अभिषेक नैन रहे, जिन्होंने दो शानदार मैदानी गोल दागे। भारत की ओर से अभिषेक नैन ने 11वें और 51वें मिनट में गोल किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा, जबकि विष्णुकांत सिंह ने 56वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। जापान की ओर से एकमात्र गोल शोता यामादा ने 15वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर किया।

पहले हाफ में जापान ने दी कड़ी चुनौती

मुकाबले की शुरुआत में जापान ने आक्रामक रुख अपनाया और दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हालांकि, जापानी खिलाड़ी केन नागायोशी का प्रयास लक्ष्य से चूक गया। शुरुआती मिनटों में भारतीय मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच तालमेल की कमी नजर आई। उपकप्तान हार्दिक सिंह ने खेल को संभालने की कोशिश की। इसी बीच 11वें मिनट में भारत ने शानदार मूव बनाते हुए बढ़त हासिल कर ली। हार्दिक सिंह ने सर्कल के अंदर सुखजीत सिंह को गेंद दी, जिन्होंने अभिषेक को पास दिया। अभिषेक ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। यह अभिषेक का 150वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी था।

हालांकि, जापान ने हार नहीं मानी। पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। दूसरे प्रयास के दौरान गेंद भारतीय खिलाड़ी संजय के शरीर से टकराई, जिसके बाद जापान को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। 15वें मिनट में शोता यामादा ने इसे गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद जापान ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और भारतीय खिलाड़ियों को गोल करने के ज्यादा मौके नहीं दिए। पहले हाफ की समाप्ति तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं।

आखिरी क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने बदला मैच का रुख

तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत ने गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन जापानी गोलकीपर ताकुमी किटागावा ने शानदार बचाव किया। 36वें मिनट में जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सका। तीन क्वार्टर तक स्कोर 1-1 रहने के बाद भारतीय टीम ने आखिरी 15 मिनट में आक्रामक खेल दिखाया। 46वें मिनट में भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार लो फ्लिक के जरिए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद 51वें मिनट में अभिषेक ने बेहतरीन मैदानी गोल कर भारत की बढ़त 3-1 कर दी। मैच खत्म होने से चार मिनट पहले यानी 56वें मिनट में विष्णुकांत सिंह ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के सटीक एरियल पास को गोल में बदलकर स्कोर 4-1 कर दिया।

अब मलयेशिया से होगा भारत का अगला मुकाबला

भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में इससे पहले बांग्लादेश को 13-0 और चीन को 5-2 से हराया था। वहीं, जापान ने दक्षिण कोरिया को 3-2 और बांग्लादेश को 1-0 से मात दी थी। भारत का अगला मुकाबला रविवार को मलयेशिया से होगा। हाल ही में आयोजित आइची-नागोया एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम ने मलयेशिया को 5-1 से हराया था। वहीं, जापान की टीम अगले मुकाबले में चीन से भिड़ेगी।

भारत vs न्यूजीलैंड...

वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया में बड़ा बदलाव, नबी की हुई एंट्री

मुंबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम में बदलाव किया गया है। चयन समिति ने तेज गेंदबाज आकिब नबी को पहले तीन वनडे मुकाबलों के लिए भी टीम में शामिल कर लिया है। इससे पहले उन्हें सीरीज के चौथे और पांचवें वनडे के लिए चुना गया था। अब वह सीरीज की शुरुआत से ही भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

आकिब की पहले तीन वनडे में भी हुई एंट्री

आकिब को प्रसिद्ध कृष्णा की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। प्रसिद्ध फिलहाल चोट की वजह से रिहैब में हैं और उनका टीम में शामिल होना फिटनेस टेस्ट पर आधारित था, लेकिन वह समय से फिट नहीं हो पाए हैं और ऐसे में आकिब को शामिल करना पड़ा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम अपडेट जारी करते हुए बताया कि पुरुष चयन समिति ने आकिब नबी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन वनडे के लिए भी टीम में शामिल किया है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब को शुरुआत में सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए चुना गया था। अब उन्हें पहले तीन मैचों के लिए भी टीम में जगह मिल गई है। इस बदलाव के बाद वह पूरी वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से इस बदलाव की कोई वजह नहीं बताई गई है।



पहले तीन वनडे के लिए भारतीय टीम

पहले तीन मुकाबलों के लिए शुभमन गिल कप्तान होंगे और श्रेयस अय्यर उपकप्तान रहेंगे। टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। ईशान किशन को विकेटकीपर के तौर पर जगह मिली है।

पहले तीन वनडे के लिए टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी (केवल पहला वनडे), आकिब नबी।



दो वनडे के लिए अलग टीम

सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए भी भारतीय टीम में बदलाव है। इन मैचों में श्रेयस अय्यर कप्तानी करेंगे, जबकि ईशान किशन उपकप्तान होंगे। तिलक वर्मा, कुमार कुशाग्र और यश ठाकुर को भी टीम में शामिल किया गया है।

चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर, उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।

राष्ट्रपति ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में यूक्रेन को हथियार देने की दिशा में बड़ा कदम

अमेरिका ने यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचने की दी मंजूरी, कीमत 20 हजार करोड़

रूस के बढ़ते हवाई हमलों से बचाव के लिए यूक्रेन को इन हथियारों की सख्त जरूरत

● वाशिंगटन

अमेरिका ने यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचने की मंजूरी दे दी है। रूस के बढ़ते हवाई हमलों से बचाव के लिए यूक्रेन को इन हथियारों की सख्त जरूरत है। हालांकि, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने चेतावनी दी है कि इन मिसाइलों के पहुंचने में कई साल लग सकते हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि उन्नत पीएसी -3 इंटरसेप्टर मिसाइलों की कीमत 2.1 अरब डॉलर (1.6 अरब पाउंड) (20 हजार करोड़) होगी। इसका पूरा खर्च यूरोप और कनाडा में मौजूद यूक्रेन के सहयोगी देश उठाएंगे।

विरोध के चलते जी20 की फैमिली फोटो रद्द: जेलेंस्की ने शुक्रवार रात अमेरिका से पैट्रियट मिसाइलों की आपूर्ति तेज करने की मांग दोहराई। रूस की घातक बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने के लिए यही एकमात्र कारगर हथियार है। यूक्रेन में दुर्लभ संघर्ष-विराम के दौरान रूस के कब्जे वाले ओलेशकी से सैकड़ों लोगों को सुरक्षित निकाला गया। रूसी मंत्री की मौजूदगी पर विरोध के चलते जी20 की फैमिली फोटो रद्द कर दी गई। यह घटनाक्रम जेलेंस्की और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच इस महीने की शुरुआत में हुए विवाद के बाद सामने आया है। उस समय अमेरिका ने रूसी डीजल हासिल करने के एक डील के तहत रूस पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अब समय आ गया है कि यूक्रेन को एक नया नेता मिले, जो रूस के साथ युद्ध खत्म करने के लिए कोई समझौता कर सके।

रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर हमला कर दिया था। इससे पहले उसने क्रीमिया और पूर्वी डोनबास के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया था। ओस्लो में 20 अक्टूबर को अमेरिकी दूतों के साथ जेलेंस्की की बातचीत के बाद तनाव कुछ कम हुआ।

अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार के एक बयान में कहा कि यह प्रस्तावित बिक्री एक ऐसे सहयोगी देश की सुरक्षा को मजबूत करके अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लक्ष्यों को समर्थन देगी, जो यूरोप में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। इसमें कहा गया है कि यूक्रेन इस खरीद का भुगतान कनाडा, जर्मनी और नॉर्वे से मिलने वाले दान (जम्पस्टार्ट कार्यक्रम के जरिए) और यूरोपीय संघ के यूक्रेन सहयोग ऋण से मिलने वाली धनराशि से करेगा। बयान के अनुसार इस सौदे में मुख्य ठेकेदार (प्रिंसिपल कॉन्ट्रैक्टर) अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन होगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि इस बिक्री में अमेरिका के अपने कोष का इस्तेमाल नहीं हो रहा है।



मिसाइल की डिलेवरी में लग सकते हैं कई साल: जेलेंस्की

जेलेंस्की ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि यूक्रेन लगभग एक महीने से अमेरिका की ओर से अहम मिसाइल आपूर्ति को मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहा है, क्योंकि उनके देश में इन मिसाइलों की भारी कमी हो गई है। शुक्रवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने अमेरिका की इस घोषणा का स्वागत तो किया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइलों की जरूरत अभी है। उन्होंने बताया कि रूस सर्दियों से पहले यूक्रेन के अहम ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले तेज कर रहा है। पिछले दो हफ्तों में रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड के महत्वपूर्ण हिस्सों पर 30 से ज़्यादा हमले किए हैं। कीव को इन इंटरसेप्टर मिसाइलों की सख्त ज़रूरत है, लेकिन अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध में इनके इस्तेमाल की वजह से दुनिया भर में इन मिसाइलों की भारी कमी हो गई है। यह साफ नहीं है कि पैट्रियट मिसाइलों के उत्पादन का समय क्या होगा, लेकिन माना जा रहा है कि यह ऑर्डर नई मिसाइलों के लिए है, न कि पहले से मौजूद मिसाइलों के लिए। इसका मतलब यह है कि यूक्रेन को इनकी तुरंत आपूर्ति मिलने की संभावना बहुत कम है। अमेरिकी रक्षा विभाग के अनुसार पैट्रियट मिसाइलों को बनाने में काफी लंबा समय लगता है और हर साल इनकी केवल 600 मिसाइलें ही तैयार हो पाती हैं। ट्रम्प ने जुलाई में कहा था कि वाशिंगटन ने यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइलें बनाने का लाइसेंस देने पर सहमति नहीं जताई है - जबकि इसके ठीक तीन हफ्ते पहले ही उन्होंने यूक्रेन को ऐसा अधिकार देने की पेशकश की थी।

अर्णब के बाद आ रहा एक और तूफान

नई दिल्ली, आरएनएन। चक्रवात अर्णब के बाद बंगाल की खाड़ी में एक और चक्रवाती तूफान का खतरा मंडरा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र तेजी से गहरा रहा है। इसके 1 नवंबर तक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह तूफान 2 नवंबर की शाम तक आंध्र प्रदेश के तट के करीब पहुंच सकता है।

अगले 24 घंटे में चक्रवात बनने की आशंका

इसके प्रभाव से आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी के यनम क्षेत्र और ओडिशा में 2 से 4 नवंबर के बीच भारी से अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों और यनम में 2 और 3 नवंबर को कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश की आशंका है। वहीं, ओडिशा में 3 और 4 नवंबर को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने एक्स पर बताया कि दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना सुस्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र अगले छह घंटे में गहरे अवदाब और अगले 24 घंटे में चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसके आगे बढ़ने से पूर्वी तटीय क्षेत्रों में मौसम प्रभावित होने की आशंका है।

5 स्टार होटल के स्विमिंग पूल में आया अचानक करंट

बेंगलुरु में 2 विदेशी नागरिकों की मौत, अमेरिकी पर्यटक भी घायल, केस दर्ज

● बेंगलुरु

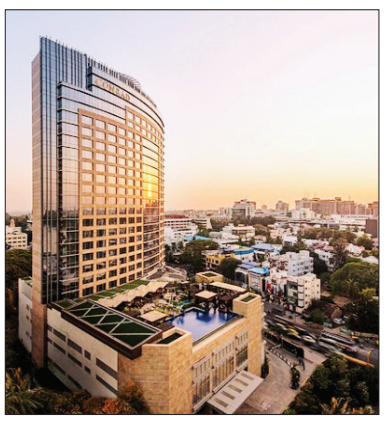

शहर के हलासुरु स्थित पांच सितारा कॉनराड होटल के स्विमिंग पूल में शुक्रवार शाम कथित तौर पर करंट लगने से दो विदेशी नागरिकों की मौत हो गई। हादसा होटल की तीसरी मंजिल पर बने स्विमिंग पूल में हुआ। मृतकों की पहचान 57 वर्षीय जर्मन नागरिक अलेक्जेंडर मैक्सिमिलियन थाइस और 45 वर्षीय स्लोवाकियाई नागरिक जुराज होर्वाट के रूप में हुई है।

अलेक्जेंडर मैक्सिमिलियन थाइस लुफ्थांसा एयरलाइंस में क्रू मेंबर थे, जबकि जुराज होर्वाट आईबीएम में प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। दोनों होटल में ठहरे हुए थे और शुक्रवार शाम स्विमिंग पूल में तैरने गए थे। इसी दौरान कथित तौर पर करंट की चपेट में आ गए। दोनों को बचाने की कोशिश में यूएस नागरिक मैथ्यू डीसेंटिस (41) और होटल के पूल अटेंडेंट एवं लाइफगार्ड राहुल तिवारी (28) भी घायल हो गए। दोनों को मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। प्रारंभिक जांच में स्विमिंग पूल में बिजली के रिसाव की आशंका जताई गई है। पानी के भीतर लगी लाइटों को संभावित कारण माना जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस स्विमिंग पूल की बिजली वायरिंग, लाइटिंग सिस्टम और सुरक्षा इंतजामों की जांच कर रही है। ईस्ट डिवीजन के डीसीपी विक्रम अमाथे के अनुसार, शुरुआती जांच में करंट लगने को हादसे की वजह माना जा रहा है। मामले की जांच बिजली निरीक्षक विभाग के अधिकारियों को सौंपी गई है। हलासुरु पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस बीच, होटल प्रबंधन की ओर से घटना पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

क्वाड बैठक में भारत का डंका, 8.5 करोड़ डॉलर के एआई फंड का किया गया ऐलान

● वाशिंगटन

यूएस के अटलांटा में हुई क्वाड विदेश मंत्रियों की इस ऐतिहासिक मीटिंग में भारत के कूटनीतिक दबदबे और वैश्विक लीडरशिप का लोहा पूरी दुनिया ने माना है। शनिवार को हुई इस हाई-लेवल समिट में यूएस, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने मिलकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की दिशा बदलने वाले कई बड़े और ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।

संकट के वक्त नेपाल में बाढ़ राहत के लिए सबसे पहले मदद पहुंचाने वाले फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में भारत की वैश्विक तारीफ से लेकर, 8.5 करोड़ डॉलर के भारी-भरकम एआई फंड, 6 जी संचार तकनीक, सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन और क्रिटिकल मिनरल्स तक, क्वाड ने हर मोर्चे पर अपनी ताकत दिखाई है।



क्वाड मीटिंग में किए गए अहम ऐलान

- पहली बार आयोजित होगा क्वाड बिजनेस लीडर्स फोरम, आर्थिक रिश्तों को नई धार मिलेगी ।
- टोक्यो में जुटने वाली है एक्सपोर्ट क्रेडिट एजेंसियों की बैठक, आर्थिक सहयोग की नई राहें।
- आर्थिक सुरक्षा और सप्लाई चेन पर जोर, चीन की मनमानी नीतियों पर गहरी चिंता जताई ।
- होर्मुज,लाल सागर, बाब अल मंडेब में जहाजों की सुरक्षा पर मुहर।
- ई-कचरे से अहम खनिज निकालने के लिए अमेरिका देगा 1 करोड़ डॉलर।
- एआई और तकनीक के लिए 8.5 करोड़ डॉलर का फंड जारी।
- साइबर क्राइम और ऑनलाइन घोटालों के खिलाफ आर-पार की जंग।

सोमालिया में समुद्री लुटेरों ने ईरानी नाव को हाइजैक किया

नई दिल्ली, आरएनएन। यूरोपीय संघ की नौसैनिक सेना और पुंटलैंड के सुरक्षा अफसरों ने शनिवार को बताया कि हथियारबंद समुद्री लुटेरों ने सोमालिया के उत्तर-पूर्वी तट के पास मछली पकड़ने वाली एक ईरानी नाव का अपहरण कर लिया। एजेंसी के मुताबिक, सोमालिया के तट पर समुद्री लूट की घटनाएं एक बार फिर बढ़ गई हैं।

अप्रैल से अब तक कम से कम 15 हमले दर्ज किए गए। साल 2013 के बाद यह सबसे बड़ी संख्या है. सोमालिया के उत्तर-पूर्व में स्थित पुंटलैंड एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। हिंद महासागर में यूरोपीय संघ के समुद्री सुरक्षा केंद्र की ओर से जारी अलर्ट के मुताबिक, ''अज़नी'' नाम की नाव को 29 अक्तूबर को सुबह 9 बजे जीएमटी पर सोमालिया के तट के पास अगवा किया गया।

ईरान के केश्म द्वीप के पास अमेरिका का हमला

मोजतबा खामेनेई बोले-अब हम तय करेंगे कैसे और कब खत्म होगा युद्ध

● तेहरान

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका पर हमला करने का आरोप लगाया है। ईरानी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग ने शनिवार को होर्मोजगान प्रांत के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि अमेरिका ने केश्म द्वीप के पास दो मछली पकड़ने वाली नौकाओं को निशाना बनाया। इस घटना में दो मछुआरे लापता हैं, जबकि एक घायल बताया गया है।

हालांकि, अमेरिका की ओर से इस हमले की तत्काल पुष्टि नहीं की गई है। इस बीच ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने किसी भी दुश्मन के खतरे की स्थिति में तत्काल और प्रभावी जवाब देने का आदेश दिया है। उनके लिखित संदेश के मुताबिक, जवाब की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होगी।



अमेरिका दे रहा है धमकी

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से ईरान के खिलाफ फिर से सैन्य कार्रवाई की संभावना को लेकर सतत संकेत दिए जा रहे हैं। अमेरिका में 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर नए हमले की संभावना पर चर्चा चल रही है। अमेरिका के शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने ट्रम्प के सामने ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के विकल्प भी रखे हैं। इस बीच इजराइल में भी ईरान को लेकर सैन्य तैयारियों और अमेरिका के साथ संभावित कार्रवाई की अटकलें तेज हैं।

कैलिफोर्निया के स्टोर में गोलीबारी, एक की मौत, छह लोग घायल

वाशिंगटन, आरएनएन। अमेरिका के कैलिफोर्निया में हैलोवीन से ठीक पहले एक दुकान में गोलीबारी की घटना हुई है। फेयरफील्ड शहर के सोलानो टाउन सेंटर स्थित स्पिरिट हैलोवीन स्टोर में शुक्रवार देर रात गोलियां चलीं। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, सभी सात लोगों को गोली लगी थी। फेयरफील्ड पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर घटना की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें से कम से कम तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। यह दुकान हैलोवीन के लिए कॉस्ट्यूम और सजावट का सामान बेचती है। घटना शुक्रवार देर रात हुई, जब अमेरिका में हैलोवीन की तैयारियां चल रही थीं।

एक ही घर में चार मौतों से सोनीपत जिला दहला

● चंडीगढ़

हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव मुडलाना में एक महिला और उसके तीन बच्चों की मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है।

मां ने तीन बच्चों संग की खुदकुशी

रीना (38) और उसके तीन बच्चों के शव घर के अंदर मिले हैं। बच्चों की उम्र 11, 7 और 4 साल थी। घटना ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है। जानकारी के मुताबिक, रीना अपने तीनों बच्चों के साथ घर पर थी। उसका पति जयदीप सरकारी शिक्षक है और रोजाना की तरह ड्यूटी पर गया हुआ था। जब वह काम खत्म कर वापस घर लौटा तो पत्नी और बच्चों को मृत देखकर होश उड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर सदर गोहाना थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी।

रेस्क्यू टीमें दुर्गम पहाड़ी रास्ते से शव निकालने में सतत जुटीं

● देहरादून

उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के पास हुए हेलीकॉप्टर हादसे में मारे गए छह लोगों के शव निकालकर उन्हें जोशीमठ ले जाने का रेस्क्यू अभियान जारी है।

उत्तराखंड हेलीकॉप्टर हादसा

दुर्घटनास्थल बेहद दुर्गम और ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्र में होने के कारण बचाव दलों को पैदल चढ़ाई करके वहां पहुंचना पड़ा है। दरअसल, चमोली जिले में शुक्रवार को बद्रीनाथ से देहरादून के सहस्त्रधारा लौट रहा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें सवार पायलट समेत सभी छह लोगों की मौत हो गई थी।

चमोली के डीओ गौरव कुमार ने बताया, कि बचाव अभियान के तहत सभी शवों को निकाल लिया गया है। अब प्रशासन की कोशिश है कि सभी शव शनिवार शाम तक सुरक्षित जोशीमठ पहुंचा दिए जाएं, जहां शवों की शिनाख्त से जुड़ी कार्रवाई होगी।

भारतीय कॉरिडोर के खिलाफ बांग्लादेशी नेता ने दी चेतावनी

गंगा जल बंटवारे पर निष्पक्ष समझौते की मांग की

● ढाका

बांग्लादेश में पीएम तारिक रहमान की सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान एक बार फिर भारत विरोधी नारे लगाए गए। राजधानी ढाका में शुक्रवार को एनसीपी नेता नाहिद इस्लाम ने बड़ी रैली की। इसमें हजारों लोग शामिल हुए।

प्रदर्शन में महंगाई, बिजली संकट और ईंधन-गैस की कमी को लेकर सरकार को घेरा गया। साथ ही गृह मंत्री और ऊर्जा मंत्री के इस्तीफे की मांग की गई। ढाका के नेशनल म्यूजियम के सामने हुई इस रैली में भारत विरोधी नारे लगाए गए।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में एनसीपी के नेता दिल्ली नहीं, ढाका का नारा लगाते दिखे। इसके जवाब में भीड़ ने ढाका, ढाका के नारे लगाए। मालूम हो, नाहिद इस्लाम 2024 के जुलाई विद्रोह के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे हैं। इस आंदोलन के बाद शेख हसीना की सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी।

एयर चीफ मार्शल दीक्षित ने संभाली अब कमान...

● नई दिल्ली



एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 31 अक्टूबर 2026 को भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लिया, जो 43 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। इससे पहले दीक्षित वायुसेना में उप प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ द एयर स्टाफ) के पद पर कार्यरत थे।

कार्यभार संभालने के अवसर पर उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। नए वायुसेना प्रमुख के सामने लड़ाकू विमानों की संख्या बढ़ाने, स्वदेशी विमान निर्माण कार्यक्रमों में तेजी लाने और बदलती सुरक्षा चुनौतियों के बीच वायुसेना की परिचालन क्षमता मजबूत करने की जिम्मेदारी होगी।

आज का इतिहास

- 1755: पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में भूकंप से 50 हजार से अधिक लोगों की मौत।
- 1765: ब्रिटेन के उपनिवेशों में स्टैम्प एक्ट लागू किया गया।
- 1800: जॉन एडम्स व्हाइट हाउस में रहने वाले अमेरिका के पहले राष्ट्रपति बने।
- 1858: भारत का शासन ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटेन के शासक के पास चला गया तथा गवर्नर-जनरल की जगह अब वायसराय की नियुक्ति की जाने लगी।
- 1881: कलकत्ता में ट्राम सेवा स्यालदाह तथा अर्मेनिया घाट के बीच शुरू हुई।
- 1913: स्वतंत्रता सेनानी तारकनाथ दास ने कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को शहर में गदर आंदोलन की शुरुआत की।

कार्यक्रम | बुलेट ट्रेन अमीरों के लिए नहीं बल्कि गरीब परिवार के लोगों के लिए भी

उप्र में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर जल्द: अश्विनी वैष्णव

● बनारस

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने काशी स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों एवं नमो गंगा रेल सह सड़क पुल का किया निरीक्षण, यात्री सुविधाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को काशी रेलवे स्टेशन एवं नमो गंगा रेल सह सड़क ब्रिज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन के पुनर्विकास एवं आधुनिकीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा निर्माणाधीन नए स्टेशन भवन, कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म एवं अन्य यात्री सुविधाओं के विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की। शनिवार को वैष्णव ने बताया कि पीएम मोदी ने उत्तरी बुलेट कॉरिडोर को मंजूरी दे दी हैं। उप्र में बुलेट ट्रेन कॉरिडोर जल्द आने वाला है।



ये बुलेट ट्रेन कॉरिडोर दिल्ली से गुवाहाटी तक तैयार होगा। यह उत्तरी कॉरिडोर के आने से दिल्ली और आगरा की बीच की दूरी महज 59 मिनट की रह जाएगी, दिल्ली से कानपुर के बीच की दूरी 1 घंटा 59 मिनट होगी,दिल्ली से लखनऊ की बीच की दूरी 2 घंटे 12 मिनट होगी,काशी से लखनऊ के बीच की दूरी 1 घंटे 21 मिनट होगी और काशी से पटना 1 घंटे में पहुंचा जा सकेगा। काशी से अगर दिल्ली की बात करें तो 3 घंटे 35 मिनट में पहुंचा जा सकेगा।

नमो ब्रिज के निर्माण स्थल का किया निरीक्षण

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वाराणसी में गंगा नदी पर निर्माणाधीन नमो गंगा रेल-सह-सड़क पुल (नमो ब्रिज) के निर्माण कार्यस्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों, तकनीकी व्यवस्थाओं एवं कार्य की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। यह अहम रेल-सह-सड़क पुल उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अंतर्गत निर्मित किया जा रहा है। लगभग 1,074.6 मीटर लंबाई वाले इस पुल की स्वीकृत अनुमानित लागत 1,380.87 करोड़ रुपए है, जबकि निर्माण कार्य हेतु 1,201.37 करोड़ की लागत से अनुबंध आवंटित किया गया है।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में उमड़ी भीड़

नई दिल्ली, आरएनएन। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शुक्रवार शाम बेमौसम बारिश के बावजूद मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में हज़ारों प्रशंसकों की भीड़ उमड़ी। दोसांझ अपने ऑरा इंडिया टूर को लेकर चर्चा में हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने इस कॉन्सर्ट का वीडियो शेयर किया है। रिपोर्ट के मुताबिक़, शाम तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम मेट्रो स्टेशन खचाखच भर गया और इसके एग्जिट पर लंबी क़तारें लग गईं थी। स्टेडियम में जनरल पार्किंग उपलब्ध न होने की वजह से बहुत से लोगों ने मेट्रो से आने का विकल्प चुना।

पोलैंड में संवैधानिक कोर्ट पर नियंत्रण को लेकर टकराव

दंगा निरोधक पुलिस तैनात

● वारसॉ



पोलैंड में कॉन्सटीट्यूशनल कोर्ट में रात भर चले नाटकीय घटनाक्रम के बाद कोर्ट के बाहर दंगा-रोधी पुलिस को तैनात कर दिया गया है, जबकि राष्ट्रपति कैरोल नावारोत्स्की विदेश यात्रा बीच में छोड़कर स्वदेश लौट आए हैं।

यह विवाद पीएम डोनाल्ड टस्क की सरकार और पूर्ववर्ती दक्षिणपंथी लॉ एंड जस्टिस पार्टी के बीच लंबे समय से जारी न्यायपालिका संबंधी मतभेदों से जुड़ा है। पोलैंड के संवैधानिक न्यायाधिकरण (टीके) में शुक्रवार शाम अफरा-तफरी मच गई, जब सरकार समर्थित जजों के एक समूह ने मुख्य न्यायाधीश से कोर्ट का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की। मुख्य न्यायाधीश दक्षिणपंथी विपक्ष और राष्ट्रपति कैरोल नवारोकी के करीबी हैं।

सरकार समर्थित जजों में से एक ऐना कोर्विन-पियोत्रोव्स्का ने कहा कि उन्होंने मुख्य न्यायाधीश बोगदान श्विएंचकोव्स्की को उनके कर्तव्यों से निलंबित कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोर्ट अध्यक्ष नए जजों को पदभार संभालने से रोक रहे थे।

एक नजर

शेखावाटी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. युद्धवीर सिंह की मुख्यमंत्री से मुलाकात



राजस्थान की राजनीति

जयपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) युद्धवीर सिंह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की।

कुलगुरु पद का कार्यभार संभालने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ उनकी यह पहली मुलाकात थी।

इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. सिंह ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, नवाचारों, विकास कार्यों एवं भावी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए संचालित किए जा रहे रोजगारपरक एवं नवीन पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप उच्च शिक्षा को कौशल आधारित, नवाचारपरक और रोजगारोन्मुखी बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया।

कुलगुरु प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों को नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री के साथ इस शिष्टाचार भेंट में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विशेष योग्यजन युवाओं से किया संवाद, खिलाड़ी एवं समाजसेवी सम्मानित

विशेष योग्यजनों के सपनों को साकार करने में सरकार बनेगी सारथी,सम्मान, स्वावलंबन और समान अवसरों से सशक्त होंगे विशेष योग्यजनः भजनलाल शर्मा





राजस्थान की राजनीति

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हौसले की उड़ान कभी शारीरिक सीमाओं की मोहताज नहीं होती। मन में दृढ़ संकल्प, हृदय में कुछ कर गुजरने का जज्बा और प्रयासों में निरंतरता हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ विशेष योग्यजनों के सशक्तीकरण के लिए काम कर रही है। हमारा संकल्प ऐसा राजस्थान बनाना है जहां हर विशेष योग्यजन को सम्मान, स्वावलंबन और समान अवसर मिलें।

मुख्यमंत्री शनिवार को 'सपनों की उड़ान-असंभव कुछ भी नहीं' कार्यक्रम के तहत विशेष योग्यजन युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और यही युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। हमारे युवाओं के पास ऊर्जा है, नए विचार हैं, कुछ नया करने का जुनून है और असंभव को संभव बनाने का साहस है। उन्होंने आह्वान किया कि वे सभी अपने बुलंद हौसलों के साथ आगे बढ़ें। राज्य सरकार उनके सपनों को साकार करने के लिए सारथी बनकर उनके साथ खड़ी है।

सुगम्य भारत अभियान से दिव्यांगजनों को मिला सम्मान का जीवन

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दिव्यांगजनों के प्रति संवेदना और सम्मान का भाव रखते हैं। इसी भावना के साथ प्रधानमंत्री ने विशेष योग्यजनों के लिए दिव्यांग शब्द का उपयोग कर समाज में विशेष योग्यजन की गरिमा भी बढ़ाई और उनके योगदान को भी स्वीकृति दी। प्रधानमंत्री की पहल पर शुरू किए गए सुगम्य भारत अभियान से दिव्यांगजनों को सम्मान और समृद्धि का जीवन मिला है। वहीं दिव्यांगता की श्रेणियों की संख्या को 7 से बढ़ाकर 21 किया गया है।

समान अवसर नीति 2025 लागू, 2 लाख 71 हजार यूडीआईडी कार्ड जारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार ने भी विशेष योग्यजनों के लिए समान अवसर नीति, 2025 लागू की है।

2 लाख 71 हजार यूडीआईडी कार्ड जारी करने के साथ ही अनुजा निगम द्वारा विशेष योग्यजन सहित विभिन्न श्रेणी के 7 हजार व्यक्तियों को स्वरोजगार हेतु ऋण उपलब्ध करवाया गया है।

उन्होंने कहा कि विशेष योग्यजन के लिए संचालित आवासीय संस्थानों में देय मैस भत्ते की राशि को बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रतिमाह किया है।

साथ ही, आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए साढ़े 5 लाख लोगों को 1 हजार 350 रुपये मासिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन उपलब्ध करवायी जा रही है। विशेष योग्यजनों को गत वर्ष 2 हजार 500 स्कूटी तथा गत दो वर्षों में 44 हजार अंग उपकरण वितरित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि युवा शक्ति के प्रति प्रधानमंत्री के विश्वास से प्रेरणा लेकर हमारी डबल इंजन की सरकार ने नई युवा नीति और नई रोजगार नीति लागू की है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए 410 से अधिक परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न करवाई जा चुकी हैं। प्रदेश में 1 लाख 93 हजार पदों पर सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं। वहीं, 1 लाख 18 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं तथा 70 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया शीघ्र आरंभ की जाएगी।

3 लाख 70 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 लाख युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। हमारी सरकार अब तक प्रदेश के 3 लाख 70 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर चुकी है। मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत 4 लाख लाभार्थियों को 1 हजार 643 करोड़ रुपये की राशि वितरित की है। प्रदेश में 21 नवीन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज तथा 76 नवीन राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना की गई है। प्रदेश सरकार अब तक 220 सरकारी कॉलेज भवनों का निर्माण कर चुकी है।

नई किरण नशा मुक्ति केंद्र स्थापित, जिला मुख्यालयों पर खेल अकादमियां संचालित

उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को नशे से बचाने के लिए 305 महाविद्यालयों में नई किरण नशा मुक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं। प्रदेश के युवा को नौकरी मांगने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बनाने के लिए स्टार्टअप के अनुकूल वातावरण तैयार किया है। प्रदेश में 5 हजार से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हुए हैं तथा 65 आई-स्टार्ट लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 17 नए 'खेलो इंडिया केंद्र' शुरू किए गए हैं। 41 जिला मुख्यालयों पर 'एक जिला एक खेल योजना' के तहत खेल अकादमियों का संचालन हो रहा है। साथ ही, खिलाड़ियों की सुविधा के लिए राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम लागू की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि युवा भारत के नौजवानों के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। युवाओं को जब सामर्थ्य, स्वाभिमान, स्वावलंबन, सुविधा और संसाधन की शक्ति मिलती है तो हर लक्ष्य आसान हो जाता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के युवा खिलाड़ियों ने हाल ही में आयोजित हुए पैरा एशियन गेम्स में प्रदेश का नाम रोशन किया है तथा कई विशेष योग्यजन युवाओं ने अपनी मेहनत के दम पर प्रशासनिक सेवाओं में मुकाम हासिल किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खेल जगत में प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले विशेष योग्यजन खिलाड़ी मोना अग्रवाल, सृष्टि अरोड़ा एवं कृष्णा नागर तथा विशेष योग्यजनों के सशक्तीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पदम भूषण डी.आर. मेहता का सम्मान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वन विभाग में नियुक्त पैरा खिलाड़ियों के स्थायीकरण के संबंध में आवश्यक कार्यवाही के लिए आश्वस्त किया।

कार्यक्रम में दृष्टिबाधित प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी मनु गर्ग ने प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी में आत्मविश्वास और निरंतर मेहनत के महत्व पर अपने विचार साझा किए। पैरालंपिक पदक विजेता निशानेबाज मोना अग्रवाल ने संघर्ष के अनुभव बताए। पूर्व आईएएस अधिकारी एवं भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक डी.आर. मेहता ने विशेष योग्यजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार व संस्थाओं के साझा प्रयासों पर अपने विचार रखे। वहीं, वीसी के माध्यम से उदयपुर की राष्ट्रीय पैरा फेंसिंग खिलाड़ी सुनिता कुमारी एवं जैसलमेर के सामाजिक कार्यकर्ता सज्जन खां ने भी अपने अनुभव बताए। इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव युवा मामले एवं खेल प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता दिनेश कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में विशेष योग्यजन युवा उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने राजस्थान संपर्क 181 हेल्पलाइन केंद्र का किया निरीक्षण

ई-जनसुनवाई' से 'नेक्स्ट-जेन जनसम्पर्क' की अवधारणा को मिल रही मजबूतीः वी श्रीनिवास



राजस्थान की राजनीति

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन को सुदृढ़ बनाने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी दिशा में राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन-181 की कार्यप्रणाली एवं प्रगति का जायजा लेने के लिए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को शासन सचिवालय स्थित कॉल सेंटर का निरीक्षण किया।

मुख्य सचिव ने परिवाद निस्तारण की दिशा में हुई प्रगति तथा परिवादियों के संतुष्टि स्तर में दर्ज वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली की सराहना की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों का ही परिणाम है कि सितंबर 2025 में परिवाद निस्तारण के प्रति परिवादियों का संतुष्टि स्तर 58 प्रतिशत था, जो सितंबर 2026 में बढ़कर लगभग 70 प्रतिशत हो गया है। इस प्रकार संतुष्टि स्तर में 12 प्रतिशत अंक की वृद्धि दर्ज की गई है।

बैठक में बताया गया कि हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाले परिवादों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सितंबर 2025 में जहां लगभग 2.50 लाख परिवाद प्राप्त हुए थे, वहीं सितंबर 2026 में यह संख्या बढ़कर लगभग 4 लाख हो गई। इसी प्रकार परिवाद निस्तारण की संख्या में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

अक्टूबर 2025 में लगभग 2.48 लाख परिवादों का निस्तारण किया गया था, जबकि सितंबर 2026 में यह संख्या बढ़कर लगभग 4.50 लाख हो गई।

परिवादों के निस्तारण की गति में तेजी आने के साथ ही उनके औसत निस्तारण समय में भी कमी आई है। गत वर्ष सितंबर माह में परिवादों के निस्तारण में औसतन 23 दिन का समय लगता था जो कि अब घटकर 13 दिन रह गया है। इसके साथ ही लंबित परिवादों की संख्या में भी कमी दर्ज की गई है।

निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने ई-जनसुनवाई के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, कृषि, विद्युत एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग से संबंधित परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं परिवादों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने झुंझुनूं के संपत एवं नागौर के सोमाराम से पेयजल कनेक्शन एवं बोरवेल चालू करवाने, चूरू के ओमप्रकाश से फसल बीमा क्लेम, दौसा के कैलाश मीणा एवं मुकेश से खाद-बीज की उपलब्धता एवं फार्म पॉन्ड की लंबित अनुदान राशि तथा भीलवाड़ा के पप्पूलाल एवं चित्तौड़गढ़ के भैरूलाल से बिजली मीटर की मरम्मत संबंधी समस्याओं पर चर्चा की। इसी प्रकार कोटपूतली-बहरोड़ के रोहतास एवं बारां के बबलेश से सड़क संबंधी समस्याओं की जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉल पर ही संबंधित अधिकारियों को इन प्रकरणों में त्वरित एवं आवश्यक कार्रवाई कर परिवादियों को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिवाद निस्तारण केवल औपचारिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रत्येक परिवादी की समस्या का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर चित्रकूट थाने में आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय एकता दिवस पर चित्रकूट थाने में आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के मुख्य आतिथ्य में एकता परेड का हुआ सीधा प्रसारण

लौह-पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों और राष्ट्र की एकता-अखंडता के संदेश को सीधे प्रसारण से पहुंचाया आमजन तक

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जयपुर पुलिस आयुक्तालय की ओर से जयपुर पश्चिम के चित्रकूट पुलिस थाने में शनिवार शाम 5:30 बजे से एकता परेड-2026 का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि महानिदेशक



पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा ने लौह-पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का संपूर्ण जीवन राष्ट्रीय एकता, अखंडता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। श्री शर्मा ने कहा कि भविष्य में भी राष्ट्र की एकता और सुरक्षा बनाए रखने और उसे और अधिक सुदृढ़ करने के साथ ही विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सभी ने प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का प्रण लिया। उन्होंने बताया कि राज्य के सभी पुलिस थानों में एकता परेड के सीधे प्रसारण का आयोजन किया गया, जिसे स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक देखा और राष्ट्रीय एकता के संदेश से जुड़े। जयपुर पुलिस कमिश्नर श्री सचिन मित्तल ने बताया कि आज एकता दिवस के अवसर पर गुजरात के एकता नगर में आयोजित एकता परेड-2026 का चित्रकूट थाने में बड़ी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण किया गया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और अखंडता के संदेश को पुलिस थानों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इस पहल से पुलिस थानों के माध्यम से आमजन को राष्ट्रीय महत्व के आयोजनों से जोड़ने और उनमें सहभागिता बढ़ाने का प्रयास किया गया है।

लौह-पुरुष सरदार पटेल के योगदान और राष्ट्र निर्माण की भूमिका का स्मरण

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एकता परेड का सीधा प्रसारण देखा और सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों से प्रेरणा ली। इस दौरान राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में विशेष पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश, उप महानिरीक्षक पुलिस कुंवर राष्ट्रदीप, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात एवं प्रशासन) प्रदीप मोहन शर्मा, पुलिस उपायुक्त (यातायात) प्रवीण नायक नूनावत, उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण, उपायुक्त (मुख्यालय) अनुष्ठा कालिया, आईपीएस सुश्री अदिति उपाध्याय सहित आयुक्तालय के अधिकारी, पुलिसकर्मी, सामुदायिक पुलिसिंग से जुड़े प्रतिनिधि, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली विद्यार्थी, युवा एवं आमजन उपस्थित रहे।

पंचायतीराज आम चुनाव के द्वितीय चरण में पांच पंचायत समितियों की 112 ग्राम पंचायतों में निर्वाचित हुए सरपंच

नवनिर्वाचित सरपंचों को शुभकामनाएँ देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने की अपील–ईमानदारी, पारदर्शिता एवं सेवाभाव से करें ग्राम विकास के कार्य

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि पंचायतीराज आम चुनाव के द्वितीय चरण के तहत जयपुर जिले की पांच पंचायत समितियों की 112 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए 30 अक्टूबर को हुए मतदान के बाद निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। निर्वाचन के बाद संबंधित ग्राम पंचायतों के निर्वाचित सरपंचों की जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पंचायत समिति आमेर की ग्राम पंचायत अचरोल से गुल्ला राम यादव, कंवरपुरा से राजेन्द्र कुमार जाट, कांट से कैलाश चंद मीणा, कालवाड से प्रभुदयाल मीणा, कूकस से राकेश अटल, खोरा मीणा से छोटा बाई मीणा, घठवाड़ा से गुल्ली देवी, चन्दवाजी से गुलाब देवी, चिताणु कलां से संतोष देवी, चोंप से कैलाश इन्दौरा, छापराडी से सूरजमल मीणा, जुगलपुरा से गीता बुनकर, ढण्ड से प्रदीप कुमार मीणा, देव का हरवाड़ा से उर्मिला बुनकर, दौलतपुरा से ज्ञानी देवी, नांगल सुसावतान से ममता मीणा, बगवाड़ा से उर्मिला देवी शर्मा, बिलौची से मनभर देवी, बीलपुर से मुरारी लाल बंसल, मानपुरा माचेडी से सुल्तान नेगी, रूण्डल से सूरज भान यादव, लखेर से सुमन देवी, लबाना से सीता मीणा, श्यामपुरा से असीना तथा सिरोही से सुरेश कुमार मीणा निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति जालसू की ग्राम पंचायत अनोपपुरा से राम गोपाल बलोदा, खन्नीपुरा से सुनीता शर्मा, खपरिया से माली राम यादव, गुढ़ा सुर्जन से मंजू देवी, जयसिंहपुरा से सीता जाट, जालसू से सीता यादव, टाडावास से राजकुमार मानावत, दुर्गा का बास से जगदीश प्रसाद जाट, देवगुढ़ा से नाना देवी, पुनाना से श्रवण लाल जाट, पोखरसा का बास से भगवती देवी शर्मा, बरना से गोपाल लाल शर्मा पुत्र कानाराम शर्मा, बिचपड़ी से सुरेश कुमार शर्मा, बिहारीपुरा से रोहिताश मीणा, बुगालिया से सरिता देवी, भीलपुरा से प्रहलाद सहाय शर्मा, महेशवास कलां से प्रेम देवी, मूण्डोता से रामचन्द्र सैनी, मोड़ी से गीता देवी, राधाकिशनपुरा से ममता शर्मा, रायथल से मोनिका वर्मा, रोजदा से उत्तम कुमार, सरदारपुरा से हंसराज बुटोलिया, सिरसली से शिम्भूदयाल यादव तथा सुदर्शनपुरा से निशा देवी निर्वाचित हुए हैं। पंचायत समिति अमरसर की ग्राम पंचायत अमरसर से फूल सिंह हरितवाल, आमलोदा से कमला देवी, करीरी से रेखा कंवर, कलवानियों का बास से मखनी देवी, गोविन्दपुरा बासडी से राजेन्द्र पलसानियां, जगतपुरा से सुरेन्द्र प्रसाद दुसाद, धवली से कैलाश, धानोता से कानाराम धनवंत, नयाबास से सचिन कुमार भांड, नायन से शंकर लाल सैनी, पठानो का बास से माया सैनी, परमानपुरा से मामराज शर्मा, बिलान्दरपुर से हंसा, मारखी से सुमन जाट, मुरलीपुरा से मन्नी देवी, म्हार खुर्द से उदय सिंह कुड़ी, राडावास से नंदू कंवर, रानीपुरा-जोधपुरा से तोफान राम मीणा, रावपुरा से गीता यादव, शिवसिंहपुरा से शकुन्तला देवी, हनुतपुरा से सुगना देवी तथा हनुतिया से राधा देवी निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति रामपुरा डाबड़ी की ग्राम पंचायत उदयपुरिया से किरण कुमारी वर्मा, खोराबीसल से बाबू लाल बुनकर, खोराश्यामदास से अशोक कुमार मीणा, गोविंदपुरा से धन्नी देवी, चतरपुरा से रामसहाय वर्मा, चेतावाला से गुलाब देवी, जयरामपुरा से सुवालाल घोसल्या, जाहोता से निशा चांवला, डाबरी से विमला, नांगल पुरोहित से कालू राम जाट, नांगल सिरस से हेमराज सिंह राजावत, बेनाड मय दौलतपुरा से अनिता, भट्टो की गली से सुवालाल कुमावत, भूरथल से कन्हैया लाल सैनी, भूरावाली से सोहनलाल जाट, राजावास से चंद्रकला चौधरी, रामपुरा से मखनी मोहन गोरा, रिसानी से लादू राम मीणा, लूनियावास से सजना देवी, शुभरामपुरा/हरदत्तपुरा से महावीर प्रसाद भट्ट तथा सेवापुरा से पपलेश कंवर निर्वाचित हुए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पंचायत समिति शाहपुरा की ग्राम पंचायत आसपुरा-नींझर से रामजी लाल बुनकर, उदावाला से मीरा देवी, कुम्भावास-शक्तपुरा से शिवदयाल गुर्जर, खोरा लाडखानी से मैना कंवर, गोविन्दपुरा धाबाई से सीता गुर्जर, घासीपुरा से अनिता यादव, छापुडा कलां से सुमन देवी, छापुडा खुर्द से राजू देवी यादव, छारसा से ज्योति कुमावत, जसवन्तपुरा से मुकेश कुमार वर्मा, देवीपुरा से श्रवण कुमार स्वामी, नवलपुरा से सोहन लाल यादव, पीपलोद नारायण से अर्जुन लाल गुर्जर, बाडीजोडी से सोनम सैनी, बिशनगढ से सरपती देवी, मामटोरी कलां से सतपाल सिंह, शेरपुरा से शारदा देवी, साईवाड से जयसिंह पारीक तथा सुराणा से जयराम मीणा निर्वाचित हुए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचित सभी सरपंचों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे ग्राम पंचायतों के सर्वांगीण विकास, जनकल्याण एवं आमजन की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक एवं संपादक रमाकांत गोस्वामी द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, पीपलेश्वर मंदिर के पीछे, नला मौहल्ला,दौसा (राजस्थान)-303303 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, कार्यकारी संपादक भूपेंद्र कुमार शर्मा, स्थानीय संपादक: संजय लाटा (अवैतनिक) आरएनआई नं. RAJHIN/2012/43137, ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल- tniawaz.news@gmail.com, Group of Sites- www.hpnews.in, www.right2action.in, www.jaipurtak.com, www.dharmjagran.com, www.hindustanpatrika.com, www.freedomathought.com, www.tniawaaz.in (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।